दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष: 11 अंक: 322 मुंबई, मंगलवार ,17 सितम्बर-2024 E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com मूल्य 3.00 रूपया पृष्ठ - 06 RNI.No.HHIN/2013/53656

नया इतिहास रचेगा यूपी

देश की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा

लखनऊ (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा कराने का रिकॉर्ड कायम करने के बाद यूपी पुलिस अब प्रशिक्षण क्षमता में भी नया इतिहास रचने की तैयारी में है। सिपाही भर्ती के 60 हजार अभ्यर्थियों को एक साथ प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। बता दें कि बीते कई वर्षों के प्रयास के बाद प्रदेश पुलिस ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता को ढाई गुना से अधिक करने में सफलता हासिल की है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो प्रदेश में वर्तमान में करीब 40 हजार सिपाहियों को एक-साथ प्रशिक्षण देने की क्षमता विकसित की जा चुकी है, जिसे आगामी छह माह में 60 हजार करने का लक्ष्य तय किया गया है। करीब एक दशक पूर्व प्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता महज 18 हजार थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा केंद्रों की क्षमता बढ़ाने के निर्देश के बाद युद्धस्तर पर इसे ढाई गुना किया जा रहा है। इसके लिए पीएसी की समस्त वाहिनियों में भी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की गयी है। इसके लिए बैरकों का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। जिलों की पुलिस लाइन में भी प्रशिक्षण देने के इंतजाम किए जा रहे हैं।

हजारों अभ्यर्थियों को एक साथ प्रशिक्षण देगी पुलिस

- **62 अस्थायी आरटीसी भी-** बता दें कि पुलिस विभाग में प्रशिक्षण देने के लिए मुरादाबाद, सीतापुर, मेरठ, गोरखपुर, सुल्तानपुर, उन्नाव, जालौन में केंद्र हैं। इसके अलावा जिलों और पीएसी में 31 स्थायी और 62 अस्थायी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर भी हैं। पुलिस विभाग का प्रशिक्षण निदेशालय 1983 में अस्तित्व में आया था, जिसके बाद लाखों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं आजादी से पहले वर्ष 1893 में मुरादाबाद में सबसे पहले पुलिस अकादमी बनी थी।

महिलाओं के लिए अलग इंतजाम

इस बार करीब 15 हजार महिला सिपाही मिलने की वजह से उनके प्रशिक्षण का भी अलग से इंतजाम हो रहा है। उनके लिए बैरकों का भी निर्माण कराया जा रहा है। बता दें कि महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाता है। सिपाही भर्ती के बाद पीएसी में महिलाओं की भर्ती में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

कर्नाटक के मंगलुरु में वीएचपी और बजरंग दल का प्रदर्शन

- सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर नाराजगी, बैरिकेडिंग तोड़ी; आरएएफ के जवान तैनात

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में मिलाद-उन-नबी से जुड़ी एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। सोमवार सुबह दोनों संगठन मंगलुरु की सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरे।

प्रोटेस्ट रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाई, जिसे प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया। स्थिति को काबू में करने के लिए प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को तैनात किया है। हिंसक प्रदर्शन को लेकर दक्षिण कन्नड़ के स्कने कहा- ईद-ए-मिलाद से एक दिन पहले ही हमने जिले सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम कर लिए थे। पुलिस ने कहा कि हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो। जो भी शांति भंग करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

ट्रम्प पर फिर जानलेवा हमले की कोशिश

- एके-47 जैसी राइफल लेकर गोल्फ क्लब में छिपा था हमलावर
- सीक्रेट सर्विस ने गोली चलाई; हाईवे पर घेरकर पकड़ा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर 64 दिन बाद एक बार फिर से जानलेवा हमले की कोशिश हुई है। सीएनएन के मुताबिक ट्रम्प फ्लोरिडा में पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में खेल रहे थे। तभी उनकी सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस एजेंट को झाड़ियों में एक संदिग्ध छिपा दिखाई दिया। उसके पास एके-47 जैसी राइफल और गो प्रो कैमरा था। बंदूक का निशाना गोल्फ कोर्स की तरफ था।

ट्रम्प और हमलावर के बीच की दूरी करीब 300 से 500 मीटर थी। एजेंट ने संदिग्ध को देखते ही उस पर फायरिंग की, जिसके बाद वह अपनी ब्लैक एसयूवी से भाग गया। इस दौरान वहां मौजूद एक चश्मदीद ने संदिग्ध की गाड़ी की तस्वीर खींच ली। इसमें मिली नंबर प्लेट के आधार पर सीक्रेट सर्विस ने गाड़ी का पीछा किया और गोल्फ कोर्स से 60 किलोमीटर दूर हाइवे पर संदिग्ध को पकड़ लिया।

ट्रम्प बोले-

मैं सुरक्षित हूं, कभी हार नहीं मानूंगा

इस घटना के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने समर्थकों को संदेश जारी करते हुए कहा, मैं सुरक्षित हूं। मैंने अपने आसपास गोलियों की आवाज सुनी थी, लेकिन इससे पहले घटना को लेकर कोई भी अफवाह फैले, मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैं ठीक हूं।

पीएम मोदी ने गांधीनगर में किया मेट्रो का उद्घाटन

मेट्रो से ही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी पहुंचे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित भव्य स्वागत समारोह में शामिल हुए। यहां वे करीब 1 लाख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। संबोधन के बाद 8000 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही 30 मेगावाट के सोलर सिस्टम का भी उद्घाटन किया। पीएम ने सीएम भूपेंद्र पटेल और राज्यपाल देवव्रत आचार्य के साथ मेट्रो का सफर किया। यात्रियों से बात भी की।

गांधीनगर में मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई- इससे पहले पीएम ने अहमदाबाद से गांधीनगर के बीच चलने वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मेट्रो से ही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी पहुंचे। पीएम आवास योजना के मकान बनकर तैयार हैं और पीएम मोदी सोमवार को इन मकानों का उद्घाटन किया। करेंगे। इसके बाद मकान मालिकों को चाबियां देकर आवास आवंटित की। देश की पहली स्वदेशी ट्रेन वंदे भारत के बाद अब कम दूरी के शहरों के बीच तेज कनेक्टिविटी मुहैया कराने के लिए स्वदेशी वंदे मेट्रो ट्रेन की शुरुआत की जा रही है। देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन 16 सितंबर से अहमदाबाद और भुज के बीच शुरू की जाएगी। ट्रेन का शुभारंभ समारोह भुज में आयोजित किया गया।

- **पीएम मोदी ने वावोल में शालिन-2 सोसायटी का दौरा किया-** गांधीनगर के वावोल इलाके में 100 अपार्टमेंट और 25 बंगले हैं। पीएम सूर्य घर योजना से यहां के 89 परिवार लाभान्वित हुए हैं। वहीं, यहां की शालिन-2 सोसायटी में कुल 65 बंगले हैं, जिनमें से 22 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। प्रधानमंत्री सोसायटी में पहुंचे और यहां के घरों की छतों पर लगे सोलर पैनल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सोलर पैनल का लाभ ले रहे लोगों से बात भी की। दूरी तय करेगी।
- **पीएम आवास योजना के 1120 मकानों का उद्घाटन किया-** प्रधानमंत्री अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में करीब 8 हजार करोड़ के डेवपलमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसमें चांदखेड़ा सत्यमेव अस्पताल पर सरजू ग्रीन्स फ्लैट्स के पास अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (ऑडा) के 1120 फ्लैट्स भी शामिल हैं।
- **उद्घाटन से पहले ट्रेन का नाम बदला गया, नया नाम नमो भारत रैपिड रेल -** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश की पहले वंदे मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाने जा रहे हैं। उससे पहले रेलवे ने आज बड़ा फैसला लिया है। वंदे मेट्रो का नाम बदलकर नमो भारत रैपिड रेल कर दिया है। देश की पहले नमो भारत रैपिड रेल भुज से अहमदाबाद के बीच चलेगी। इससे पहले आरआरटीएस का नाम रैपिडएक्स से बदलकर नमो भारत किया गया था।
- **गांधीनगर में पीएम ने कहा- हम 7 करोड़ घर बना रहे-** इससे पहले पीएम ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर समिट और एक्सपो (री-इन्वेस्ट) का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा- भारत में हम 7 करोड़ घर बना रहे हैं।

नितिन गडकरी ने सुनाई खरी-खरी

सिस्टम में बैठे हैं 'न्यूटन के बाप', जहां पैसों के वजन से चलती है फाइल

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सरकारी विभागों में व्याप्त करप्शन के लिए नौकरशाही पर निशाना साधा है। रविवार को उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ के 'इंजीनियर्स डे' समारोह में फिर बेबाक बयान दिया। केंद्रीय मंत्री ने सरकारी तंत्र में करप्शन की चर्चा करते हुए कहा कि विभागों में फाइलें उन पर रखे वजन के हिसाब से आगे बढ़ती है। उन्होंने विकास के लिए सरकारी विभागों में पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णय की आवश्यकता को जरूरी बताया। कार्यक्रम में टेस्ला, जेपी मॉर्गन जैसी कई बहुराष्ट्रीय फर्मों , राज्य और केंद्र सरकार में काम करने वाले इंजीनियर मौजूद थे।

गड्ढा भरने के लिए भी आदेश का इंतजार करते हैं अफसर- पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने सिस्टम में नौकरशाही रवैये पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाइवे प्रोजेक्ट, रोड एक्सिडेंट और हादसों में होने वाली मौतों के लिए दोषपूर्ण डीपीआर को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सिस्टम में ऐसे अफसर हैं, जिन्हें हर चीज के लिए आदेश की आवश्यकता होती है। यहां तक कि सड़कों पर गड्ढे भरने के लिए भी वह आदेश का इंतजार करते हैं। लिखे गए शब्द और भावना में अंतर होता है। अगर कोई काम करने वाला किसी भी नियम की भावना को नहीं समझेगा तो उसका फायदा क्या है?

10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

- यूपी में 4 नदियां उफान पर, 190 गांवों में बाढ़ ● भोपाल-जबलपुर समेत म.प्र.के 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने 10 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तर प्रदेश में 5 दिन से हो रही भारी बारिश के कारण सरयू, शारदा, गंगा और घाघरा नदी उफान पर हैं।

वाराणसी में बाढ़ से 25 हजार लोग प्रभावित हैं। 85 घाट गंगा में डूब गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी के खतरे के निशान के ऊपर बहने के कारण 170 गांव में 1 लाख लोग फंसे हैं। गोंडा में घाघरा नदी में 3 डूबने से 3 लोगों की मौत हो गई। यहां 20 गांवों में बाढ़ है। वहीं मध्य प्रदेश में भोपाल, जबलपुर समेत 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजस्थान के 15 जिलों में आज से भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

हिमाचल में मानसून सीजन में अब तक 171 लोगों की मौत- हिमाचल प्रदेश में 21 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहेगा। बुधवार (18 सितंबर) को राज्य के 6 जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है।

कोलकाता रेप-मर्डर, सीएम ममता ने पांचवीं बार डॉक्टर्स को बुलाया

कहा- ये आखिरी मौका, लाइव स्ट्रीमिंग और रिकॉर्डिंग नहीं होगी, 15 डॉक्टर्स ही आएं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स को ममता बनर्जी ने सोमवार को बातचीत का आखिरी मौका दिया। बंगाल सरकार ने जूनियर डॉक्टर्स को आज शाम 5 बजे मुलाकात के लिए बुलाया गया था।

डॉक्टर्स की ओर से कोई बयान नहीं आया है। ये बातचीत का 5वां बुलावा है। इससे पहले 4 बार मीटिंग तय हो चुकी है। 14 सितंबर को मुख्यमंत्री ममता खुद डॉक्टर्स के प्रदर्शन स्थल पर गई थीं और बातचीत के लिए कहा था। डॉक्टर मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग, वीडियोग्राफी को लेकर अड़े हुए हैं। बंगाल सरकार ने कहा कि वीडियोग्राफी और लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जाएगी।

बांद्रा नूरानी मस्जिद मे मनाया ईद-ए-मिलाद उन नबी,सजीं मस्जिदें

मुंबई मे बुधवार को होगा ईद -ए-मिलाद उन नबी का जुलूस शामिल होंगे मुस्लिम समाज के लोग

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, पूरी दुनिया मे मनाया गया ईद - ए - मिलाद उन नबी बांद्रा नूरानी मस्जिद खूब सजी । ईद - ए - मिलाद उन नबी ये दिन मुसलमानों के लिए सबसे अव्वल दिन माना जाता है। यह वही दिन है जब हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम इस दुनिया मे तशरीफ फरमाकर इस्लाम मजहब को रोशन किये मुसलमानो को अल्लाह के सामने झुक कर अपनी मुराद मांगने की हुक्म देते हुए दिन की तबलिक की। आज तक दुनिया का हर मुसलमान हजरत मोहम्मद के बताए हुए रास्ते पर चलने की कोशिश करते हुए इस दिन को जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी पूरी दुनिया मे मनाते हुए मस्जिदों, मदरसों और अपने-अपने मकानों पर रोशनी करते हैं।

इस्लामिक तारीख 12 रब्बील अवल के दिन ईद मिलादुन्नबी की खुशयाँ मनाई जाती है । गरीब बच्चों को अच्छे-अच्छे पकवान बनाकर खिलाते हैं। बांद्रा नूरानी मस्जिद के इमाम मौलाना जुल्फोक़ार खान ने कहा कि हमारे नबी (?) का कहना है कि जिस मुल्क में आप पैदा हुए है उसके वफादार बनो। गरीब को कतई न सताएं, बल्कि उस गरीब की जितनी हो सके मदद करें। झूठ मत बोलो। मां बाप की खिदमत करो। बुजुर्गों और अपने से बड़ों की इज्जत करो। अपनी जुबान से कभी ऐसे बोल मत बोलो जिसकी वजह से दूसरे को दुख पहुंचे।

नवजावानो को नसीहत दी गई ईद - ए - मिलाद उन नबी पर DJ ना बजाये।

गणेश प्रतिमा विसर्जन ओर ईद-ए-मिलाद पर प्रशासन अलर्ट

मुंबई मे गणेश प्रतिमा विसर्जन और ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए मुंबई पुलिस अलर्ट पर है। इसको देखते हुए 17 को गणेश प्रतिमा विसर्जन ओर 18 को गई ईद - ए - मिलाद उन नबी का जुलूस मुंबई मे निकला जाएगा द्य जुलूस होने तक प्रभावी होगा। मुंबईकारों से शांति व्यवस्था बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

एक ही दिन दोनों तेव्हार की वजह से मुस्लिम समुदाय ने जुलूस के दिन को आगे बढ़ा दिया जिस मे हिन्दू मुस्लिम भाईचारा कायम रहे द्य बुधवार 18सितम्बर को जुलूस ईद-ए-मिलाद मुंबई मे निकला जाएगा द्य मुंबई समेत देश भर मे मस्जिदों मोहल्लो ओर आपने घरों को सजाया गया द्य बांद्रा मे स्टेशन के पास सुन्नी जमा मस्जिद ओर बांद्रा नूरानी मस्जिद बांद्रा नूरानी गल्ली पर ईद-ए-मिलाद की सजधज देखने मिली इस मेके पर बांद्रा नूरानी मस्जिद के ट्रस्ट फ़ारूक़ अहमद ने महाराष्ट्र समाचार संपादक जनाब अकबर खान को बताया की हर साल लोगों को ईद - ए - मिलाद उन नबी के बाल मुबारक की ज़ियारत करवाई जाती है। खुशया मनाई जाती है लोगों मे नियाज़ दी जाती है द्य इस साल जुलूस की तारीख बढ़ा दी गई है ताकि हिन्दू मुस्लिम भाईचारगी कायम रहे द्य बांद्रा नूरानी मस्जिद मे ईद-ए-मिलाद उन्नबी के मौके पर बांद्रा नूरानी मस्जिद इमाम साहब मौलाना जुल्फोकार खान सादर अबूबाक्कर क़ुरैशी, ट्रस्टी फ़ारूक़ अहमद, ट्रस्टी अयूब खान, व इरशाद ओर अन्य सदस्य मौजूद थे।

सम्पादकीय

केजरीवाल को जमानत

कई महीने जेल में गुजारने के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल ही गई। लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव से महज कुछ हफ्ते पहले हुई इस रिहाई की राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग व्याख्या की जा रही है। भले ही फैसले से आप ने राहत की सांस ली हो, लेकिन जमानत के विरोध को लेकर सीबीआई की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठे हैं। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को शराब घोटाले में ईडी द्वारा दर्ज मामले में यह जमानत दी है। हालांकि, अब केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिये प्रचार करने के लिये स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण-दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे। बहरहाल, इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है। निस्संदेह, रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा। रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं। वहीं सीबीआई के लिये यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है। वैसे जमीनी हकीकत यह भी है कि इस मुकदमे के निकट भविष्य में निबटने की संभावना कम ही है। बहरहाल, शीर्ष अदालत ने केजरीवाल की रिहाई के आदेश देकर संवैधानिक और कानूनी रूप से सही कदम उठाया है। सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए। अदालत ने कुछ समय पहले इस मुद्दे को लेकर अपनी राय प्रकट की थी। वहीं दूसरी ओर अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में हैं। वहीं सवाल सीबीआई की कार्यशैली व विश्वसनीयता को लेकर भी उठे हैं। वैसे भी यदि सीबीआई के पास पुख्ता सबूत थे तो उसे जमानत को लेकर सवाल नहीं उठाने चाहिए थे। जिसके चलते विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में कार्रवाई करने के आरोप लगाने का मौका मिला। बहरहाल, केजरीवाल की रिहाई के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया से कयास लगाये जा सकते हैं कि इस फैसले का असर हरियाणा चुनाव पर पड़ सकता है। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि राज्य की जनता में सत्ता विरोधी आक्रोश का जो पूरा लाभ अब तक कांग्रेस को मिलने के आसार थे, उसमें केजरीवाल की सक्रियता से असर पड़ सकता है। एक तो हरियाणा केजरीवाल का गृह राज्य है और दूसरी ओर राज्य में स्टार प्रचारक के रूप में केजरीवाल की सक्रियता आप का जनाधार बढ़ा सकती है। इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह भी बढ़ेगा और वे पार्टी प्रत्याशियों को सफल बनाने की कवायद में भी जुट सकते हैं। जिससे भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा हो सकता है। जाहिरा तौर पर हरियाणा में कांग्रेस जिस बड़ी कामयाबी की उम्मीद लगाए बैठी थी, उसके ताजा घटनाक्रम से प्रभावित होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस के साथ सहमति न बनने के कारण आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। यह भी कि 21 मार्च को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल को कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के दौरान जमानत दी थी। उन्हें 26 जून को फिर से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वे जेल में ही थे। जमानत पर पांच सितंबर को सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। फिर शुक्रवार को उन्हें जमानत मिली। निश्चित रूप से दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह के बाद केजरीवाल की रिहाई से आप के नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है।

राजभाषा, राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। - **(एजेंसी)**

यूक्रेन संघर्ष: कारगर नहीं हुआ भारत का शांति प्रयास

डॉ. मलय मिश्रा

जैसे-जैसे रूस यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंच रहा है, कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल बढ़त का असर कम हो रहा है। रूस, यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंचते हुए कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल की गई बढ़त को चुनौती दे रहा है। वहां कुर्स्क सैनिकों ने कई रूसी गांवों पर कब्जा कर लिया है। स्थिति में लगातार बदलाव होते रहता है। रूस ने अभी एक रणनीतिक स्थान मेमरिक गांव पर कब्जा करने की घोषणा की है जो कीव के रसद केंद्र पोक्रोव्स्क की ओर जाता है और लगभग 20 किमी दूर है। यूक्रेनी सरकार ने पहले ही पोकवोर्स्क में स्थानीय आबादी को इलाका खाली करने के आदेश दे दिए हैं जो बता रहे हैं कि दो युद्धरत देशों के बीच शांति लगातार घट हो रही है। यह भी लगता है कि शांति स्थापना के नई दिल्ली के प्रयास काम नहीं आए हैं। हालांकि पीएम मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा के दौरान शांति प्रयासों से बहुत उम्मीद नहीं की गई थी। युद्ध एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच गया है और दोनों पक्षों की ओर से राहत के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर पीएम की यह यात्रा उनकी पिछली मॉस्को यात्रा पर नाराजगी को शांत करने के लिए थी तो प्रधानमंत्री के मध्यस्थता के इशारे ने गुस्से को शांत करने कोशिश को कम नहीं किया बल्कि उनके यूक्रेनी मेजबान ने अपनी बाद की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इस संघर्ष के बारे में भारत के दृष्टिकोण में कई विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए जो कहा है वह उनकी नाराजगी को बताता है। जुलाई में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के तुरंत बाद पोलैंड (21-22 अगस्त) और यूक्रेन (23 अगस्त) (यूक्रेन के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर) की पीएम मोदी की योजनाबद्ध यात्रा, रूस और यूक्रेन के बीच 30 महीने के संघर्ष में मध्यस्थता का भारत का सीधा प्रयास प्रतीत होता है। भारत ने शांति के लिए एकमात्र मार्ग के रूप में श्बातचीत और कूटनीतिश् का आह्वान करने में एक सुसंगत रुख अपनाया है और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत के द्विपक्षीय समाधान के प्रयास किए और दोनों राष्ट्रपतियों जेलेंस्की और पुतिन दोनों के साथ बैठकें कीं। इस सिलसिले में आखिरी बार क्रमशरू जून में इटली में जी-7 बैठक और इस साल जुलाई में मास्को में द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के मौके पर बातचीत हुई थी। शिखर बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन को गले लगाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के चित्र जब छप रहे थे उसी वक्त रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन में बच्चों के अस्पताल पर हमला किया था जिसमें कैंसर से पीड़ित बच्चे मारे गए थे जिसकी वजह से यूक्रेन के राष्ट्रपति नाराज थे। इस हमले ने पश्चिमी देशों को और नाराज कर दिया तथा नाटो की 75 वीं वर्षगांठ के लिए समय में वाशिंगटन डीसी में उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। उस पृष्ठभूमि के खिलाफ और दोनों बड़े शक्ति गठबंधनों के बीच अपने संतुलन कार्य को जारी रखते हुए, भारत के प्रयासों को यूक्रेनी पक्ष पर चिंताओं को दूर करने और पश्चिम के संघर्ष में जाहिर भारतीय नीति के साथ सहज महसूस करने के लिए सोचा जा सकता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसने पश्चिम खुश नहीं है क्योंकि भारत ने रूस को हमलावर के रूप में घोषित करने से परहेज किया है एवं संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कई प्रस्तावों से परहेज किया है। इसके अलावा जी-7 की बैठक के तुरंत बाद 24 जून को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन द्वारा आयोजित शांति सम्मेलन में भारत की ओर से जूनियर स्तर का प्रतिनिधि मंडल भेजा गया और बैठक की संयुक्त घोषणा पर भारत की ओर से हस्ताक्षर भी नहीं किए गए। इस सम्मेलन में 80 से अधिक देशों ने भाग लिया था। एक निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में भारत की स्थिति को इस संघर्ष के संदर्भ में अच्छा नहीं माना गया। इस बीच, यूक्रेन द्वारा रूस के दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र पर आश्चर्यजनक आक्रमण और अधिग्रहण, द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद से रूसी क्षेत्र पर पहला हमला था जिसने दो युद्धरत पक्षों के बीच मध्यस्थता के सभी प्रयासों को उलट दिया और मास्को को कतर मध्यस्थता प्रयासों को आगे नहीं बढ़ने देने में कड़ा रुख अपनाने को मजबूर कर दिया था जिसके लिए 22 अगस्त के लिए दोनों पक्षों के बीच एक आभासी बैठक होने वाली थी। 6 अगस्त को यूक्रेन का हमला रणनीति के तौर पर रूसी क्षेत्र में गहरे तक घुसना, सुद्जा शहर पर नियंत्रण करना और 80 से अधिक बस्तियों को अपने 400 वर्ग मील पर कब्जा करने को रूस के लिए एक धक्के के रूप में देखा चाहिए जो मूल रूप से रूस के साथ अपनी बातचीत की स्थिति में एक लाभ को सुरक्षित करने के लिए किया गया है। हालांकि पुतिन उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के अपने कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में जमीन नहीं छोड़ने के इरादे पर पक्के रहे हैं जिस पर रूस ने 22 फरवरी के आक्र मण के कुछ महीनों के भीतर कब्जा कर लिया वहां जनमत संग्रह कराया और रूसी कब्जे में किए लगभग 40,000 वर्ग मील यूक्रेनी क्षेत्र (यूक्रेन का 20प्रतिशत) को रूस में मिला दिया। कथित तौर पर यूएस-निर्मित हिमर्स रॉकेट सिस्टम का उपयोग करके सीम नदी पर तीन महत्वपूर्ण पुलों को नष्ट करने के बाद रूसी बुनियादी ढांचे और नागरिक हताहतों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए यूक्रेन 2000 रूसी युद्धबंदियों को सौदेबाजी के लिए रखते हुए अपने कब्जे वाले क्षेत्र से रूसी मुख्य भूमि को काटने में सक्षम रहा है। दोनों पक्ष अप्रिय स्थिति बनाए हुए हैं। यूक्रेन, रूस द्वारा 2014 में कब्जाए गए क्रीमिया सहित सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से पूर्ण रूसी वापसी की मांग कर रहा है जबकि रूस अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को छोड़ने से इंकार करते हुए यूक्रेन से स्पष्ट आश्वासन चाहता है कि वह नाटो में शामिल नहीं होगा। खासकर स्वीडन और फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के बाद पुतिन के रुख को देखते हुए रूस की स्थिति में किसी भी नरमी की उम्मीद नहीं की जा सकती है। लड़ाई के शुरुआती चरण में इस्तांबुल में बुलाई गई गुप्त मध्यस्थता वार्ता टूट गई थी क्योंकि दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल महीनों तक नहीं मिले थे।इस बीच युद्ध बेरोकटोक जारी है और आगे बढ़ते रूसी सैनिक अब पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं। उधर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोपीय राजधानियों और अमेरिका की अपनी लगातार यात्राओं में (वाशिंगटन डीसी में कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ) अपनी 10-सूत्री शांति योजना के लिए समर्थन और लड़ाई जारी रखने के लिए हथियारों की लगातार आपूर्ति की पैरवी की है जिसका बाइडेन प्रशासन ने पूरा समर्थन किया है। यूक्रेन के बिजली केन्दों को निष्क्रिय करने के लिए रूस-यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हमला किया है (यूक्रेन ने सर्दियों में बिजली की चरम खपत करीब 18 गीगावाट बिजली की खपत होती है जिसमें से उसने 9 गीगावाट बिजली खो दी है) जबकि काला सागर में नौसैनिक नाकाबंदी कर रूस ने यूक्रेन के अनाज निर्यात पर पाबंदी लगा दी (2022 में तुर्की और राष्ट्र संघ द्वारा दलाली किया गया अनाज सौदा मुश्किल से कुछ महीनों तक चला)। उधर यूक्रेन ने लंबी दूरी के ड्रोन हमलों के साथ रूस की तेल सुविधाओं पर हमला किया है, रिफाइनरियों, डिपो और तेल गोदामों को जला दिया है तथा मास्को के तेल शोधन को लगभग 15 प्रतिशत कम कर दिया है। दोनों पक्षों को बाहरी समर्थन के कारण दोनों ने युद्ध में राहत के कोई संकेत नहीं दिए हैं। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट ने आग में घी डाला है जिसमें बताया गया है कि एक यूक्रेनी टीम ने नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन नंबर 1 में तोड़फोड़ की जो उत्तरी सागर के नीचे रूस से जर्मनी तक गैस ले जा रही थी और पोलैंड को एक रसद आधार के रूप में उपयोग कर रही थी। इस खुलासे ने कि 6 सदस्यीय यूक्रेनी डाइविंग टीम ने सितंबर 2022 में एक छोटी नौका से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया जिसके परिणामस्वरूप नाटो में सहयोगी पोलैंड और जर्मनी के बीच विवाद हुआ। इन परिस्थितियों में और युद्ध के और विकराल रूप लेने के कारण और जैसा कि भारतीय विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में उल्लेख किया गया है कि भारतीय पीएम की यूक्रेन यात्रा के 35 वर्षों के बाद और राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर हो रही है, मोदी के शांति प्रयासों का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। भारत-पोलैंड संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के निमंत्रण पर किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा के 45 साल बाद मोदी पोलैंड की भी यात्रा कर चुके हैं। इस यात्रा में भू-राजनीति, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार एवं निवेश के मुद्दों पर चर्चा शामिल थी। एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते पोलैंड ने युद्ध से भागे यूक्रेनी नागरिकों को शरण देकर यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान की है। भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा पोलैंड और यूक्रेन के बीच ट्रेन से हुई थी क्योंकि युद्ध के कारण ओवरफ्लाइट सुविधाओं पर प्रतिबंध है।यह उल्लेखनीय है कि 2022 में रूसी आक्रमण की शुरुआत में पोलैंड ने लगभग 4000 भारतीय छात्रों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 6 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ पोलैंड पूर्वी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा भागीदार है। इसके अलावा वहां आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, इस्पात, रसायन और ऑटोमोबाइल के क्षेत्रों में कई भारतीय निवेश हुए हैं जबकि कुछ पोलिश फर्मों ने भी भारत में निवेश किया है। 5,000 छात्रों सहित 25,000 भारतीय समुदाय के साथ पोलैंड, मध्य और पूर्वी यूरोप के साथ भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पुल हो सकता है और पीएम मोदी की यात्रा से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

एसजीपीसी की तरह वक्फबोर्ड का गठन होना चाहिए

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि सभी राज्यों के वक्फबोर्ड और सेंट्रल वक्फकाउंसिल का गठन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की तरह चुनाव के जरिए होना चाहिए। जैसे एसजीपीसी एक निर्वाचित संस्था है उसी तरह से वक्फ बोर्ड का भी गठन चुनाव के द्वारा होना चाहिए। उन्होंने वक्फसंशोधन विधेयक को लेकर किए गए सवाल के जवाब में यह बात कही। वक्फसंशोधन बिल फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास है। देश के लोकप्रिय टीवी शो श्आप की अदालतश् में रजत शर्मा के सवालों का जवाब देते हुए मौलाना मदनी ने कहा, श्हम चाहते हैं कि वक्फबोर्ड भारत के मुसलमान बनाएं। कानून कहता है कि वक्फ बोर्ड राज्य सरकारें बनाएंगी और सेंट्रल वक्फ काउंसिल केंद्र सरकार बनाएगी। हम कहते हैं कि ैळच्ब् की तरह बना दीजिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी का गठन जैसे होता है, वैसे इसका होना चाहिए। अभी सरकार अपनी मर्जी के लोगों को वक्फ बोर्ड में बिठाती है, सेलेक्शन करके...नए बिल में वक्फबोर्ड को बेहतर करने की जरूरत थी पर आप उसे बदतर बनाने पर तुले हुए हैं।श् बता दें कि श्आप की अदालतश् के इस नए एपिसोड का प्रसारण आज रात 10 बजे इंडिया टीवी पर किया जाएगा। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के इस दावे पर कि केंद्र सरकार ने सच्चर आयोग और पहले की जेपीसी रिपोर्टों का अध्ययन करने और लाखों लोगों से सलाह-मशविरा करने के बाद वक्फसंशोधन बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है, मौलाना मदनी ने कहारू श्ये उनका दावा है और हमारा दावा है कि कंसलटेशन हुआ ही नहीं। कंसलटेशन का एक प्रोसेस होता है, वो प्रोसेस ओपेन होता है। हम चाहते हैं एसजीपीसी के हिसाब से वक्फ बोर्ड बनना चाहिए। अगर इसके लिए सड़कों पर जाना जरूरी होगा तो सड़कों पर भी जाएंगे, लोकतांत्रिक तरीके से जाएंगे। उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फबोर्ड के इस दावे पर कि आगरा का ऐतिहासिक ताजमहल वक्फकी संपत्ति है, मौलाना मदनी ने कहा, श्अगर वो वक्फ बोर्ड की जमीन है तो वक्फबोर्ड की है, पर ।ैप् (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) के कंट्रोल में जिनपर दोनों तरफसे दखल है। ऐसी बहुत सारी प्रॉपर्टीज हैं जिन पर दोनों तरफसे दखल है। हम ओपन माइंड होकर सोचें कि ये जमीन किसके पास जा रही है, ऐसा तो नहीं कि चीन या नेपाल के पास जा रही है, या उस मुल्क के पास जिसका नाम मैं यहां नहीं लेना चाहता। एक खास किस्म का माहौल बनाया जा रहा है कि हम कुछ और हैं और किसी दूसरी दुनिया से आए हैं। भारत के मुसलमानों को ऑप्शंस दिया गया था, इनमें से हमने भारत को चुना, हमारे लिए , प्दकपंद डनेसपउे के लिए भारत से बेहतर कोई और जगह नहीं है।श् मौलाना महमूद मदनी जमीयत उलमा हिंद हलाल ट्रस्ट के भी प्रमुख हैं। उन्होंने हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स को लेकर चल रहे विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा, श्हमसे अगर आज कह देंगे, तो हम आज, अभी बंद कर देंगे। कमाई नहीं है इसमें, ऊपर से बड़ी बेइज्जती हो रही है। मजाक उड़ाया जा रहा है मौलाना मदनी ने बताया, हलाल सर्टिफिक्रेशन सिस्टम थ्वववक त्तवबमेपवद उपदपेजतल, सरकारी विभागों और 50 से ज्यादा आयात करने वाले देशों के बमतजपपिबंजपवद इवकपमे के बवसस्इवतंजपवद से , मशवरे से डेवलप किया गया। ये हमारी हलाल की शर्तें नहीं हैं, शर्त है आयात करने वाले मुल्कों की। आप एक्सपोर्ट भी करने चाहते हो, और पेट में दर्द भी है। ये दोनों चीजें नहीं हो सकती। हलाल सर्टिफिकेशन बंद करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। ये वतहंदपेंजपवद हमने नहीं खड़ी की है, ये वतहंदपेंजपवद हमसे खुशामद करके खड़ी की गई। क्योंकि आयात करने वाले मुल्कों की तरफ से शिकायत थी। उनकी मांग थी कि इस हलाल बमतजपपिबंजपवद चतवबमे से गुजरें। उनके क्वालिटी कंट्रोल में ये भी एक जरूरत है। ऐसे पचासों पउचवतजपदह बवनदजतपमे की तमुनमेज होती है जिन्हें पूरी करनी होती है सरकारी विभागों को। तब हमारे पास आए। हम तो उनकी मदद कर रहे हैं हलाल सर्टिफिक्रेशन के बारे में उन्होंने कहा कि यूपी एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स)ने उनसे पूछताछ की थी। उन्होंने कहा,श्मुझसे दो दिन तक, फिर और दो दिन तक पूछताछ की गई। मुझे भी सुप्रीम कोर्ट से छूट मिली थी, लेकिन मैं पूछताछ के लिए गया। मौलाना मदनी ने कहा,श्हर टूथपेस्ट, पानी को हलाल सर्टिफाइड करना होता है, क्योंकि ये देखना होता है कि टूथपेस्ट में कहीं-कहीं जिलेटिन जो जानवरों की हड्डियों से बनती है मिली है कि नहीं, या चर्बी मिली है कि नहीं, हमें देखना होता है कि पानी का सोर्स नापाक तो नहीं है।श् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मौलाना मदनी ने कहा, श्मेरे देश के प्रधानमंत्री की अगर कहीं बाहर के मुल्कों में इज्जत हो रही है, तो वह देश की इज्जत हो रही है। यहां हम उनकी नीतियों से पूरा इख्तलाफ (मतभेद) भले ही रखते हों, कपेंहतममउमदज हों, लेकिन देश के बाहर जाने पर अगर कोई उनकी बेइज्जती करने की कोशिश करे तो हम जान भी कुर्बान करने को तैयार हैं, लड़ाई लड़ेंगे। विदेशी धरती पर कुछ नेता प्रधानमंत्री मोदी की यह कहकर आलोचना क्यों करते हैं कि मुसलमानों पर अत्याचार हो रहे हैं, इस पर मौलाना मदनी ने कहारू ये तो मैं भी कहूंगा। जो चतवइसमउे हैं उनको हल करने की कोशिश नहीं होगी, तो यहां भी रोऊंगा, बाहर भी रोऊंगा, रोना तो मुझे पड़ेगा। एक तरफ मीडिया के जरिए एक खास चमतबमचजपवद बतमंजम किया जा रहा है , अगर जरूरी बवततमबजपवद नहीं होगा , बवततमबजपवद के लिए िंमिवतजे नहीं होंगे, सरकार, मीडिया और सिविल सोसायटी की मुल्क के साथ ये दोस्ती तो नहीं है, इसे गद्दारी समझूंगा। पजनंजपवद ही खराब है। इसे हम सबको मिलकर बदलना होगा। मौलाना महमूद मदनी ने गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की भरपूर तारीफकी। उन्होंने कहा,श्गरीबों का मसीहा सिर्फ मैंने नहीं कहा, उस इलाके में जाकर पूछ लीजिए, ये उनके मुसलमान होने की वजह से नहीं , उनके साथ 80 परसेंट से ज्यादा दवद-डनेसपउे हैं। सिर्फमुसलमानों का आदमी नहीं था वो। वो वाकई गरीबों का आदमी था। आप कोई एक केस दिखा सकते हैं जिसमें किसी के मकान का कब्जा किया हो। मैं पूरे बवदपिकमदबम के साथ कह सकता हूं। उनके भाई एमपी हैं। जब कोई गुजर जाता है तो उसके बारे में अच्छी बातें बोलनी पड़ती है। मैं ही नहीं कह रहा हूं, पूरा इलाका कह रहा है। जब जिन्दा थे, मैंने कभी उनकी तारीफ नहीं की। योगी सरकार द्वारा माफिया सरगनाओं के खिलाफचलाए गए अभियान के बाद क्या यूपी में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है, इस पर मौलाना ने कहा, श्लॉ एंड ऑर्डर को सख्ती से ठीक रखना चाहिए लेकिन उस एक्शन को करने की एक सीमा होनी चाहिए। उस सीमा को अगर लांघा जाएगा, ये उचित नहीं होगा। पउचसमउमदजंजपवद सबके लिए बराबर एक जैसा होना चाहिए। गलत तरीके से नहीं। माफिया के खिलाफ एक्शन लेने पर मुझे कोई नही हैं, मेरा सीमा लांघने को लेकर है। अगर किसी ने जुर्म किया तो उसकी सजा उसके बूढे मां-बाप को नहीं मिलनी चाहिए। - **(एजेंसी)**

पितरों के प्रति कृतज्ञता का महापर्व है श्राद्धतर्पण

प्रेमशंकर अवस्थी

भारतीय सनातन पद्धतियाँ कृतज्ञता ज्ञापक हैं इसलिये भारतीय मानस देव, मनुष्य, पशु, पक्षी, वनस्पति आदि के प्रति कृतज्ञता का बोध रखता है। किसी के द्वारा किये गए उपकार, सहयोग आदि को न भूलना एवं उसको स्मरण रखते हुये उसके प्रति आभार प्रकट करना भारतीय जीवन-शैली है। इसी भाव का प्रत्यक्ष उदाहरण है- श्राद्ध पक्ष। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक के 15 (पन्द्रह) दिन प्रत्येक वर्ष श्राद्ध के माने गये हैं। इस वर्ष 18 सितम्बर 2024 ई0 दिन बुद्धवार से 02 अक्टूबर 2024 दिन बुद्धवार तक श्राद्ध महापर्व हैं। यद्यपि पितरों की प्रसन्नता एवं उसकी कृपा प्राप्ति हेतु प्रतिदिन सन्ध्या-वन्दन के पश्चात् पितृ -तर्पण का विधान है। जिससे समस्त पापों से मुक्ति मिलती है एवं सुख-शान्ति की प्राप्ति होती है। इस कलयुग में पितरों कि प्रसन्नता से देवता भी प्रसन्न होते है। हांलाकि प्रतिपदा का श्राद्ध 18 सितम्बर को होगा, जबकि पूर्णिमा का श्राद्ध 17 सितम्बर को किया जायेगा और उसी दिन अनन्त चुर्तदर्शी भी है। भारतीय मनीषियों ने अपनी तत्वानुवेषी मेंधा एवं सूक्ष्मदर्शी वैज्ञानिक शोधों से मानव पर तीन प्रकार के ऋण का निर्धारण किया है। जो कि देव ऋण, ऋषि ऋण एवं पितृ ऋण के नाम से अभिहित हैं। देव ऋण से मुक्ति के लिये शास्त्रसम्मत पूजन एवं ज्ञानार्जन का निर्देश है। जबकि ऋषि ऋण से अवमुक्त होने के लिये शिक्षार्जन, अत्मा बोध हेतु उपाय आदि का शास्त्र सम्मत विधान हैं। इसी श्रृंखला में पितृ ऋण से मुक्त होने के लिये गृहस्थ जीवन में सन्तुलित आचरण, सन्तानोत्पत्ति, सन्तान को सुयोग्य नागरिक बनाना प्रमुख है। इसलिये ऋषियों ने "धन्यो गृहस्थाश्रम:" की उद्घोषणा की। मुनियों ने बृह्मचर्य आश्रम, बानप्रस्थ आश्रम, सन्यास आश्रम से गृहस्थ आश्रम धन्य घोषित किया। यह भी भारतीय कृतज्ञता का दर्शन है क्योंकि गृहस्त अनवरत श्रम से उपार्जन करके अपना व अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। अतिथि, साधु, अभ्यागत आदि की भी सेवा करता है। समाज सेवा हेतु भी योगदान करता है इसलिये शास्त्रकारों ने गृहस्थ जीवन की प्रशंसा की है। श्राद्ध श्रद्धा का एक महापर्व है जो कि पितरों के निमित्त किया जाने वाला एक महा कर्तव्य है। पूर्वजों की अपूर्व कृपा से ही आज हम सब जीवित है। यह पूर्वजों का स्मृति समारोह है कर्तव्य बोध का प्रेरक है। वामी विवेकानन्द ने कहा था कि "अपनी संस्कृति सभ्यता एवं परम्परा को भूलना नहीं चाहिये। आत्म गौरव एवं स्व कर्तव्य निष्ठा से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण होता है। पितरों के निमित किये जाने वाले कर्तव्य बोध को भी श्रीमद्भगवत गीता (अध्याय-3,12) याद दिलाती है ताकि इस परम्परा को आने वाली पीढ़ियां अनुशरण कर भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी अस्था बनाये रखे। कहने का तात्पर्य है कि श्रेष्ठ पुरूष जो आचरण करता है अन्य पुरूष भी वैसा आचरण करते हैं जो कुछ प्रमाण कर देता है समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है। भारतीय हिन्दू परम्परा में माता-पिता (पितरों) की सेवा को सबसे बडी पूजा माना गया है। इसीलिये हिन्दू धर्मशास्त्रो में पितरों का उद्धार करने के लिये पुत्र की अनिवार्यता मानी गई है। जन्मदाता माता पिता को मृत्योपरान्त लोग भूल न जाये। इसी लिये श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से लेकर अमावस्य तक ब्रह्मण्ड की ऊर्जा तथा उस ऊर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथ पुराणों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बडा सुन्दर वैज्ञानिक विवेचन मिलता है मृत्यु के बाद दशगात्र और षोडशी सपिन्डन तक मृत व्यक्ति की प्रेत संज्ञा रहती है। पुराणो के अनुसार वह सूक्ष्म शरीर जो आत्मा भौतिक शरीर छोडने पर धारण करती है। प्रेत होती है। प्रिय के अतिरेक अवस्था प्रेत है क्योंकि आत्मा जो सूक्ष्म शरीर धारण करती है। तब भी उसके अन्दर मोह, माया, भूख और प्यास का अतिरेक होता है। सपिन्डन के बाद वह प्रेत, पितरों में सम्मिलित हो जाता है। पितृपक्ष में जो तर्पण किया जात है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है पुत्र या उसके नाम से उनका परिवार जो यव (जौ) तथा चावल का पिन्ड देता है, उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विनकृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख्य होने लगाता है। 15 दिन तक अपना अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर बृह्मंडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते है इसलिये इसको पितृपक्ष कहते है और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन, कर्म, वाणी से संयम का जीवन जीते है, पितरों को स्मरण करके जल चढ़ते है निर्धनों एवं ब्रम्हाणों को दान देते है पितृपक्ष में प्रत्येक परिवार में मृत माता पिता का श्राद्ध किया जाता है। परन्तु गया श्राद्ध का विशेष महत्व है वैसे भी इसका शास्तीय समय निश्चित है।, परन्तु "गया सर्वकालेषु पिंड दधाद्विपक्षणम्" कहकर सदैव पिंडदान करने की अनुमति दे दी गयी है। पुराणों के व्याख्यान में वैसे तो श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है। लेकिन बिहार में पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नही बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है पुराणों के अनुसार पितरों के खास आश्विन मास के कृष्णपक्ष या पितृपक्ष "मोक्षधाम गयाजी" आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता पिता व सात पीढ़ियों का उद्धार होता है। पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानी, सहित सभी पूर्वज शमिल होते है व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते है। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेंदियां थी। जहां पिंडदान किया जाता था इनमें अब 48 ही बची है। यहां की बेंदियों में विष्णुपाद मन्दिर फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त बैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुण्ड, नागकुण्ड, पांण्डुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिण्डदान के लिये प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिये 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। जिससे गया का स्थान र्स्वोपरि है। गया का पुराणों में उल्लेख पितृश्राद्ध एवं पिण्डदान का कई कारणों से महत्व दर्शाता है। बताया जाता है कि गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्म जी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाये और लोग उसके दर्शन मात्र से पाप मुक्त हो जाये। इस बरदान के चलते लोग भयमुक्त होर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन से फिर पाप मुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिये देवताओं ने यज्ञ के लिये गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

नारायण सेवा संस्थान का विशाल नि:शुल्क नारायण लिम्ब शिविर

इंदौर। उदयपुर राज. की प्रतिष्ठित संस्था नारायण सेवा संस्थान द्वारा नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर फूटी कोठी, रिंग रोड,इंदौर स्थित दस्तूर गार्डन में आयोजित हुआ। संस्थान ने इस शिविर में एमपी प्रदेश के 766 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाकर उनकी रुकी जिंदगी को फिर से गति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी , समाजसेवी पारस कटारिया, डॉ. रामचन्द्र माहेश्वरी , डॉ. मनोरमा माहेश्वरी अनिल भण्डारी,अनिल रांका , रमेश श्रीवास्तव, कैलाश गामा, किशोर कस्तूरिया, अमित जोशी एवं दीपक कोठारी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का श्रीगणेश किया। सांसद लालवानी ने कहा संस्थान सैकड़ो किलोमीटर चलकर एमपी के दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने की भावना से यहाँ आई है जिसका मैं अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने मंच से संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल का मानव सेवा यज्ञ के लिए आभार प्रकट किया। सच में यह शिविर खुशी का ऐसा मौका था जहाँ कई बच्चों को वापिस बचपन मिला तो कुछ भाईयों की जवानी लौटी साथ ही सैकड़ों दिव्यांगों की बची उम्र चिंतामुक्त होकर रोशन हुई। प्रारम्भ में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने मंचासीन मुख्य अतिथि लालवानी और सम्मानित अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया और संस्थान की एक मुट्ठी आटे से अब तक की सेवाओं से रूबरू कराया। संस्थान का 5 वर्षीय विजन भी प्रस्तुत किया गया। शिविर में स्थानीय संगठन श्रीअन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी सोशल ग्रुप, स्वर्णिम फाउंडेशन, अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति, सर्व ब्रह्मण समाज, श्वेतांबर जैन महासंघ, अखिल भारतीय विजयवर्गीय महिला संगठन, लायंस क्लब, सराफ़ा एसोसिएशन, गुजराती समाज सहित 21 से अधिक समाजसेवी संघ ने सेवाएं दी। जिन्हें संस्थान की ओर से प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इंदौर में पहली बार आयोजित होगा दादा साहेब फाल्के फैशन और लाइफस्टाइल अवॉर्ड

इंदौर। इंदौर में 21 सितंबर 2024 को दादा साहेब फाल्के फैशन आइकॉन लाइफस्टाइल अवॉर्ड एवं द ग्लोबल नेक्स्ट सिंगिंग स्टार सीजन 1 का आयोजन केके ब्रदर फिल्म के द्वारा होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो इंदौर के पांच सितारा मैरियट होटल में आयोजित होगा। दादा साहब फालके फैशन आइकॉन × लाइफस्टाइल अवार्ड मैं नाममंकित होने के लिए संपर्क करें 99819 95221 , 95225 - 54040 अंतिम शेष दिन इस इवेंट की खास बात यह है कि इसके पिछले 3 संस्करण सफलता पूर्वक मुंबई के 7 सितारा होटल सहारा में आयोजित किए जा चुके है । इस बार इंदौर में बजरंगी भाईजान फेम हर्षाली मल्होत्रा, जिन्हें फिल्म में 'मुन्नी' के किरदार से पहचान मिली, वे मुख्य अतिथि के रूप में इस अवॉर्ड शो में शिरकत करेंगी। इस आयोजन का उद्देश्य फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करना है। हर्षाली मल्होत्रा, कुलदीप खरे , राजा रेंचो एवं कवि पंकज दीक्षित की उपस्थिति न केवल इस इवेंट का आकर्षण बढ़ाएगी, बल्कि युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन भी देगी। इस अवॉर्ड शो में बॉलीवुड से लेकर फैशन इंडस्ट्री तक के बड़े नाम शामिल होंगे। इवेंट का आयोजन के के ब्रदर्स फिल्म द्वारा किया जा रहा है, जो इंडस्ट्री में अपने सफल आयोजनों के लिए जाने जाते है। दादा साहेब फाल्के फैशन और लाइफस्टाइल अवॉर्ड 2024 में विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। कुछ प्रमुख कैटेगरी इस प्रकार हैं- इनके अलावा, सर्वश्रेष्ठ कॉलेज और स्कूल, और बिल्डर्स और डेवलपर्स की श्रेणियों में भी अवॉर्ड दिए जाएंगे। अवॉर्ड्स का मकसद समाज के हर उस व्यक्ति को पहचान और सम्मान देना है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। इस भव्य आयोजन को व्हिज़तार एंटरटेनमेंट के को फाउंडर गौरव गांधी एवं इनिग्मा ईवेंट मैनेजमेंट कंपनी फाउंडर दीपक चर्तुवेदी हैं।दीपक चर्तुवेदी ने ही दादा साहब फालके फैशन आइकॉन एंड लाइफस्टाइल अवॉर्ड का 3 बार सफलता पूर्वक आयोजित मुम्बई में कर चुके है।

जयपुर में मिलादुन्नबी को उत्सव की भावना और शांति के संदेशों के साथ मनाया

जयपुर। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर प्रदेशभर में अनेक आयोजन हुए। इसी के साथ जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। राजधानी जयपुर में वाहिद मेमोरियल रिलीफ सोसायटी व सेंट्रल मिलाद कमेटी की ओर से निकाला गया जुलूस घाटगेट से बग्गी में सवार मुफ्ती अब्दुस्सत्तार रजवी साहब के नेतृत्व में शुरू होकर चार दरवाजा मौलाना जियाउद्दीन साहब सर्किल पहुंचा, जहां सैयद मोहम्मद कादरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं का सच्चे तरीके से पालन करने की आवश्यकता है। साथ ही पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं का वास्तविक पालन करने की अपील की। उन्होंने उपस्थित लोगों को पैगंबर के करुणा, न्याय और शांति के सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं मुख्य अतिथि फिलिस्तीन के भारत में राजदूत डॉ. आदनान अबू अल-हिजा ने मिलादुन्नबी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद साहब की करुणा, न्याय और शांति की विरासत पर अपना संबोधन केंद्रित रखा और बताया कि कैसे उनकी शिक्षाएं लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती हैं। उन्होंने मिलादुन्नबी के महत्व और पैगंबर के संदेश का सामंजस्य और समझ को बढ़ावा देने में निरंतर प्रासंगिकता पर गहरी जानकारी प्रदान की। मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नज्मी ने इस भाषण का अरबी से हिंदी में अनुवाद किया। जुलूस करबला में जाकर सभा में परिवर्तित हुआ। जहां विभिन्न उलेमाओं और इस्लामी स्कॉलर्स ने व्याख्यान दिए। वहीं जुलूस में शामिल प्रतिभागियों ने प्रार्थनाएं कीं और पैगंबर के जीवन की कहानियां साझा कीं, उनके प्रेम और एकता के संदेश का जश्न मनाया।

- पैगंबर मुहम्मद साहब के न्याय व शांति के सिद्धांतों को अपनाने का किया आह्वान
- फिलिस्तीन के भारत में राजदूत डॉ. अदनान अबू अल-हिजा ने मिलादुन्नबी के महत्व पर दिया जोर
- बग्गी में सवार रहे मुफ्ती-ए-शहर, उलेमाओं ने दिया शांति का सदेश

जुलूस में कई उलेमा और नात ख्वां भी शामिल हुए, जिन्होंने भाषण दिए और अंत में नात शरीफ की तिलावत की। जुलूस के अध्यक्ष व आयोजकों ने पुलिसकर्मियों को उनके सहयोग और सुरक्षा के लिए धन्यवाद दिया।

दो हजार कार्यकर्ताओं ने संभाली कमान

दो हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने आयोजन को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उपस्थित लोगों की सहायता की, सार्वजनिक परिवहन को प्रबंधित किया। साथ ही कानून और व्यवस्था बनाए रखने में योगदान दिया।

पैगंबर ने दिया दया, न्याय और सामंजस्य पर जोर

कार्यक्रम संयोजक सैयद मोहम्मद कादरी ने कहा कि मिलादुन्नबी, जिसे मावलिद अल-नबी भी कहा जाता है, पैगंबर मुहम्मद के 570 ईसवी में मक्का में जन्म की स्मृति है। यह दिन मुसलमानों को विश्वभर में पैगंबर के जीवन और शिक्षाओं पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है, जो सभी लोगों के बीच दया, न्याय और सामंजस्य पर जोर देती है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

जुलूस में मौलाना मुदस्सर अशरफी, मुफ्ती जलीस अहमद, मौलाना निसार निजामी, मौलाना एहतराम आलम, मौलाना जाहिद हुसैन नूरी, मौलाना वली मोहम्मद, मौलाना गुलाम मोइनुद्दीन, मौलाना अब्दुल कदीर, मौलाना राशिद मिस्बाही, मौलाना अंजार, मुफ्ती गुफरान मिस्बाही व तमाम अहले सुन्नत वल जमात के आइम्मा हजरात व सेंट्रल मिलाद कमेटी के मेम्बर हाजी हसीन खान, हाजी हामिद बैग, उवैस खान, हाजी नायाब खान, हाजी रियाज की विशेष उपस्थित रही।

केजरीवाल के इस्तीफे की पेशकश नाटकबाजी

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की पेशकश को नाटकबाजी करार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता इसे खूब अच्छे से समझती है। इस बार जब भी चुनाव होगा दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने बयान दिया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नाटकबाजी को दिल्ली की जनता बहुत अच्छे से समझती है। इस बार जब भी चुनाव होगा, दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। जो व्यक्ति जेल से जमानत पर छूटा हो, वो इस प्रकार के नाटक कर रहा है। आने वाले समय में दिल्ली की जनता इसका जवाब जरूर देगी।

बता दें कि केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि अब जब दिल्ली की जनता उन्हें फिर से चुनेगी तभी वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे। केजरीवाल को शराब घोटाले के आरोप में जेल में रखा गया था। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। दिल्ली में फरवरी माह में चुनाव प्रस्तावित हैं।

दशलक्षण पर्व का महत्व व उद्देश्य

नजीबाबाद (संजय जैन)दशलक्षण पर्व का आयोजन भादो माह में किया जाता है।दशलक्षण पर्व के दौरान जैन समाज के लोग अपना अधिकतम समय पूजा अर्चना और व्रत उपवास करके व्यतीत करते हैं। इस बार दिगंबर जैन समाज दशलक्षण पर्व 8 सितंबर से मना रहा है। पंडित दिवाकर जैन शास्त्री के अनुसार दिगंबर जैन समाज का पर्यूषण पर्व भाद्रपद की पंचमी तिथि से प्रारंभ होता है जबकि श्वेतांबर जैन समाज का पर्यूषण पर्व दिगंबर जैन समाज से 8 दिन पहले प्रारंभ होता है।

दशलक्षण पर्व का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पर्यूषण पर्व यानी कि दशलक्षण पर्व 10 दिन तक लगातार मनाया जाता है। जैसा कि इसके नाम से ही परिलक्षित होता है। इन 10 दिनों के दौरान जैन धर्मानुरागी विभिन्न धार्मिक क्रियाओं द्वारा आत्म शुद्धि करने और जन्म मरण के चक्र से मुक्ति पाने का एक प्रयास करते हैं। माना जाता है कि जब तक अशुभ कर्मों के बंधन से मनुष्य नहीं छूटेगा तब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं की जा सकती है। यह जीवन में बदलाव लाने का पर्व है। जैन धर्म के अनुसार 10 दिनों के दशलक्षण पर्व के दौरान 10 धर्मों के नाम जैसे उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव,शौच, सत्य, संयम, तप ,त्याग, अकिंचन, ब्रह्मचर्य को धारण करने की प्रथा है।

इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि यह पर्यूषण पर्व व्यक्ति को क्रोध ,लालच ,माया, ईर्ष्या, असंयम आदि विकारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है।

पर्युषण पर्व को मनाने के उद्देश्य

1. आत्मा को शुद्ध बनाने के लिए उपाय करने के लिए ध्यान केंद्रित करना।
2. आत्म शुद्धि को प्रयास करना।
3. जन्म मरण के चक्र से छूट जाने का प्रयास करना।
4. अपने जीवन का चिंतन करना।
5. पूरे साल में किए गए पापों और कटु वचनों के लिए क्षमा मांगना।
6. संसार के समस्त जीव मात्र से क्षमा मांगना और क्षमा करना।
7. जैन धर्म के प्रमुख 10 गुणों का सम्मान करना।

दशलक्षण पर्व को पर्यूषण पर्व के नाम से भी जाना जाता है। भादो माह में मनाए जाने वाले इस महापर्व के दौरान जैन धर्मानुरागी अन्य बहुत से नियमों का भी पालन करते हैं। अधिकांश लोग एक समय का भोजन करते हैं। कुछ लोग 10 दिन तक निराहार रहकर केवल लॉन्ग के जोड़े का पानी पीकर भी व्रत रखते हैं। अधिकांश जैन अनुयाई पर्यूषण पर्व के दौरान रात्रि भोज का त्याग भी करते हैं। 10 दिन के पश्चात आयोजित होने वाले पर्व को जैन समुदाय के लोग क्षमा वाणी दिवस के रूप में भी मनाते हैं। वह सभी लोगों से, जीव जंतुओं से, प्राणी मात्र से क्षमा, हमें क्षमा कहकर क्षमा मांगते हैं। इस दिन वह सभी से अपने द्वारा किसी को भी मन, वचन व कर्म से यदि कोई क्षति पहुंची हो तो उसके लिए भी क्षमा मांगते हैं।

साधुओं के कर्तव्य

इन दोनों साधुओं के लिए पांच कर्तव्य बताए गए हैं।
1.प्रतिक्रमण
2.केशलोचन
3.तपचर्या
4.आलोचना
5.क्षमा याचना

गृहस्थों के लिए नियम

1.शास्त्रों का श्रवण, तप,अभयदान, सुपात्र दान, ब्रह्मचर्य पालन, आरंभ स्मारक का त्याग, संघ की सेवा और क्षमा याचना आदि कर्तव्य बताए गए हैं। यह पर्व महावीर स्वामी के मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म : ,जियो और जीने दो की राह पर चलना सिखाता है तथा मोक्ष प्राप्ति के द्वार खोलता है।
विशेष- इस आलेख के माध्यम से विभिन्न समुदाय के लोगों में जैन धर्म के प्रति उत्सुकता, विभिन्न धारणाओं, भ्रांतियों को दूर कर उन्हें जैन धर्म के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना है।

हैदराबाद में दलबदलू विधायक के घर कड़ी सुरक्षा

हैदराबाद, एजेंसी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं के संभावित आगमन के मद्देनजर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए रविवार को सेरिलिंगमपल्ली के विधायक और लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष अरेकापुडी गांधी के आवास पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। गांधी के आवास के आसपास लगभग 200 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। जिनकी पीएसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति ने विपक्षी बीआरएस और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के बीच राजनीतिक तनाव पैदा कर दिया था। बीआरएस नेताओं द्वारा गांधी के आवास पर बैठक करने की योजना बनाने की खबरों के मद्देनजर किसी भी कानून और व्यवस्था की समस्या को रोकने के लिए पुलिस सतर्क रही। कांग्रेस और बीआरएस के बीच जारी तनाव के बीच पुलिसकर्मियों की तैनाती से विवेकानंद नगर में गांधी के घर के आसपास रहने वाले लोगों को असुविधा हो रही है। गुरुवार को गांधी के समर्थकों द्वारा बीआरएस विधायक पी. कौशिक रेड्डी के घर पर हमले के जवाब में गांधी के घर पर इकट्ठा होने की उनकी योजना को विफल करने के लिए शुक्रवार को बीआरएस नेताओं को नजरबंद कर दिया गया था। कौशिक रेड्डी और गांधी के बीच तीखे वाकयुद्ध ने उस समय भयानक रूप ले लिया, जब गांधी अपने समर्थकों के साथ कोंडापुर में बीआरएस विधायक के घर पहुंचे और उन्हें बाहर आने की चुनौती दी। जुलाई में बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए गांधी ने यह कार्रवाई तब की, जब कौशिक रेड्डी ने घोषणा की कि वह गांधी के घर जाएंगे, बीआरएस का झंडा फहराएंगे और उन्हें बीआरएस का दुपट्टा भेंट करेंगे। करीमनगर जिले के हुजूराबाद से बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी ने गांधी के इस दावे के बाद चुनौती दी थी कि वह अभी भी बीआरएस के साथ हैं। दलबदलू विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा पीएसी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति पर बीआरएस की आलोचना का जवाब देने के लिए यह दावा किया। कौशिक रेड्डी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान, गांधी के कुछ समर्थकों ने परिसर में घुसकर खिड़की के शीशे और फूलों के गमलों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

कर्नाटक के बेलगाम में 8 वाहनों के बीच टक्कर, चार की मौत

बेलगाम , एजेंसी। कर्नाटक के बेलगाम में भीषण सड़क हादसा हुआ। जहां निप्पानी स्थवनिधि घाट के पास 8 वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 6 की हालत गंभीर बताई गई। मृतकों में दो बाइक सवार और दो कार सवार लोग शामिल थे। घटनास्थल की तस्वीरें सामने आई हैं। जिसमें टैंकर के नीचे कार बुरी तरह फंसी हुई देखी जा सकती है। कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त दिख रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे की वक्त चीख पुकार मच गई। कुछ पलों में ही सिलसिलेवार तरीके से वाहन टकराते चले गए। तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस के मुताबिक कंटेनर वाहन के चालक की लापरवाही से तीन कार, दो लॉरी, एक कंटेनर और बाइक चपेट में आ गई। निप्पानी के अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। यह मामला निप्पानी शहर थाना क्षेत्र का है।

जान गंवाने वाले लोगों की पहचान संतोष गणपति माने, रेखा गादीवद्दर, जबीन मनकादरा और दिलादारा मुल्ला के रूप में हुई है। मृत गणपति और रेखा बाइकर्स थे, वहीं जबीन और दिलादारा वैगनार के यात्री थे। वहीं एक अन्य मामले में तुमकुर जिले के मधुगिरि के बाहरी इलाके जादेगोंडानहल्ली के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गौतम (26) और बंदरहल्ली के अनिल (26) के रूप में हुई है। यह मामला जिले के मधुगिरी थाना क्षेत्र का है। मधुगिरी थाने के पीएसआई विजय कुमार ने घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया।

नितिन गडकरी को पीएम पद का ऑफर देना गलत नहीं: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के कई महीने बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के एक नेता ने उन्हें पीएम पद का ऑफर दिया था। उनके इस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, नितिन गडकरी भाजपा के सबसे सर्वमान्य नेता हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी ने उनसे प्रधानमंत्री पद के लिए पैरवी करने को कहा होगा। जिस तरह से इस देश में तानाशाही चल रही है और जिस तरह से दस साल पहले आपातकाल की शुरुआत हुई थी। उन्हें अगर यह सलाह किसी ने दी है, विपक्ष के किसी नेता ने दी है तो मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता। संजय राउत ने कहा, मुझे लगता है कि अगर कोई मौजूदा सरकार में रहते हुए भी इस देश के मूल्यों, लोकतंत्र, न्यायपालिका और स्वतंत्रता से नहीं जुड़ता है, तो यह राष्ट्रीय अपराध है। नितिन गडकरी ने हमेशा इन सबके खिलाफ बोला है, आवाज उठाई है और अपने विचार व्यक्त किए हैं । इसलिए अगर विपक्ष के किसी बड़े नेता ने, जिनका वह बहुत सम्मान करते हैं, उन्हें कुछ सलाह दी है, तो इसमें दुखी होने की जरूरत नहीं है । जगजीवन राम ने इन्हीं मूल्यों के कारण 1977 में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी और इंदिरा गांधी की हार हुई थी। अगर देश में आजादी, लोकतंत्र और न्यायपालिका को बनाए रखना है, तो सत्ता में बैठे कुछ लोगों की बलि देकर आजादी हासिल करनी होगी । आपको बता दें कि नितिन गडकरी ने यह खुलासा लोकसभा चुनाव संपन्न होने के करीब 3 महीने बाद किया है।

उन्होंने यह खुलासा शनिवार को नागपुर में पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के दौरान किया । हालांकि, 21 अगस्त 2023 को शिवसेना (यूबीटी) नेता विनायक राउत का एक बयान सामने आया था।

सीट बंटवारे को अगले 8 से 10 दिन में अंतिम रूप दे दिया जाएगा: शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी हैं। हालांकि, अब तक इसीआइ यानी भारत निर्वाचन आयोग ने अब तक तारीखों का ऐलान नहीं किया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संकेत दे दिए हैं कि चुनाव नवंबर में हो सकते हैं। राज्य में शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की गठबंधन की सरकार है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा चुनाव नवंबर के दूसरे सप्ताह में होने की संभावना है और सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को अगले 8 से 10 दिन में अंतिम रूप दे दिया जाएगा। शिंदे ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए दो चरणों में चुनाव कराना बेहतर रहेगा।

हूतियों का इस्राइल पर पहली बार बैलिस्टिक मिसाइल से हमला, आयरन डोम भी हुआ फेल

येरूशलम, एजेंसी। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सभी को चौंकाते हुए इस्राइल पर पहली बार बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। खास बात ये है कि इस्राइल का आयरन डोम और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम इस बैलिस्टिक मिसाइल के सामने बेअसर साबित हुए। हालांकि गनीमत ये रही कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ और यह मिसाइल एक खुले मैदान में गिरी। हूती विद्रोहियों के इस हमले से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने धमकी देते हुए कहा है कि इस हमले के लिए हूती विद्रोहियों को बड़ी कीमत चुकानी होगी।

बैलिस्टिक मिसाइल के हमले में इस्राइल का आयरन डोम भी हुआ फेल: हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा है कि हूतियों ने इस्राइल पर हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है, जिसने महज साढ़े 11 मिनट में 2040 किलोमीटर की दूरी तय की। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि यह मिसाइल संभवतः हवा में ही तबाह हो गई और इसके टुकड़े खेतों और रेलवे स्टेशन के पास मिले थे। हमला स्थानीय समय के अनुसार, सुबह 6.35 बजे हुआ। हमले के चलते तेल अवीव और पूरे मध्य इस्राइल में सायरन बजने लगे थे, जिससे लोग सुरक्षित स्थानों पर छिप गए। हैरानी की बात ये है कि इस्राइल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम भी इस हमले को रोकने में नाकाम रहा। वहीं हूतियों के हमले पर इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को इस हमले की भारी कीमत चुकानी होगी। नेतन्याहू ने कहा कि होदेदा बंदरगाह पर हमले की याद दिलाने की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि जुलाई में भी हूती विद्रोहियों ने इस्राइल पर ड्रोन हमला किया था। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। इसके बाद इस्राइल ने हूती विद्रोहियों पर यमन के होदेदा बंदरगाह के पास हवाई हमले किए थे, जिसमें हूती विद्रोहियों को काफी नुकसान हुआ था। इस्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ही हूती विद्रोही गाजा के समर्थन में लगातार इस्राइल और लाल सागर में इस्राइली जहाजों को निशाना बना रहे हैं। वहीं सीरिया ने भी एक बयान में कहा है कि भविष्य में इस्राइल पर हमले बढ़ेंगे क्योंकि इस्राइल हमास युद्ध को अक्तूबर में एक साल पूरा हो रहा है। हूती विद्रोहियों ने भी इस्राइल पर और हमलों की धमकी दी है।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में

इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है। इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

जानिए क्या है गणेश पुराण में

गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में.....

पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूर्ति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। हृदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्ययः पिता ॥
यतः सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः ।
ऋषिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट्?कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

मनु भाकर ने नीरज चोपड़ा के लिए किया पोस्ट

आशा करती हूं आपको और कामयाबी मिले...

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रसेल्स में हुए डायमंड लीग के फाइनल में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे थे। वह एक सेंटीमीटर से चैंपियन बनने से चूक गए थे। इसके बाद नीरज ने एक पोस्ट के जरिये बताया था कि उनके हाथ में फ्रैक्चर था और इसके बावजूद वह खेलने उतरे और दूसरे स्थान पर रहे।

इस पोस्ट में नीरज ने यह भी बताया था कि उनका यह सीजन खत्म हुआ और अब अगले सीजन में वह मजबूती के साथ वापसी करेंगे। इस पोस्ट पर फैंस की कई प्रतिक्रियाएं आईं और सबने नीरज के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की। अब इस पोस्ट पर पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वालीं शूटर मनु भाकर की प्रतिक्रिया भी आई है। उन्होंने नीरज के ट्वीट को रीशेयर करते हुए उसके कैप्शन में कुछ ऐसा लिखा, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है।

मनु ने नीरज को बधाई दी और चोटों से जल्द उबरने की भी कामना की। उन्होंने एक्स पर नीरज की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 2024 में शानदार सीजन के लिए नीरज को बधाई। आने वाले वर्षों में आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अधिक सफलता की कामना करती हूं। दरअसल, मनु का नाम कुछ समय पहले पेरिस ओलंपिक रजत पदक और टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से जोड़ा जा रहा था। हालांकि, उनके परिवार से इसका खंडन आ चुका है। मनु एक शो के दौरान नीरज को लेकर सवाल पूछे जाने पर नाराज हो गई थीं और इवेंट छोड़कर चली गई थीं।

अपने पोस्ट में नीरज ने लिखा था-जैसे-जैसे 2024 का सीजन समाप्त हो रहा है, मैं उन सब चीजों को याद कर रहा हूं जो मैंने साल भर में सीखा है जिसमें सुधार, असफलताओं, मानसिकता और बहुत कुछ है। सोमवार को अभ्यास के दौरान मुझे चोट लग गई और एक्स-रे से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की चौथी मेटाकार्पल हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। यह एक और दर्दनाक चुनौती थी। यह साल की आखिरी प्रतियोगिता थी और मैं ट्रैक पर अपना सीजन समाप्त करना चाहता था। जबकि मैं अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सीजन था जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा।

मैं अब पूरी तरह से फिट होकर वापसी के लिए और खेलने के लिए प्रतिबद्ध हूं। नीरज ने फैंस के लिए लिखा, मैं आपके प्रोत्साहन के लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

संक्षिप्त समाचार

मुझे शुरुआत में इससे जूझना पड़ा, शेन वॉर्न से तुलना पर बोले लियोन

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने अपने करियर के दौरान लगातार दिग्गज गेंदबाज शेन वॉर्न से तुलना किए जाने के तथ्य को स्वीकार कर लिया है। 36 वर्षीय लियोन जो कभी तुलना के कारण दबाव महसूस करते थे, अब इससे शांत हो गए हैं।

129 टेस्ट मैचों और 530 विकेटों के अनुभवी लियोन ने खुलासा किया कि वॉर्न के लंबे कद के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित करना मुश्किल हो गया था। सर्वकालिक महान लेग स्पिनर का 2022 में 52 वर्ष की आयु में निधन हो गया, ने 708 टेस्ट विकेटों के विशाल स्कोर के साथ 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले लियोन को अपने करियर की शुरुआत में वॉर्न की जगह लेने का भारी दबाव महसूस हुआ।

लियोन ने कहा, शायद मुझे शुरुआत में इससे जूझना पड़ा क्योंकि आप हर मैच में अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मीडिया और ऑस्ट्रेलियाई जनता पूछ रही थी, अगला स्पिनर कौन है? हमें एक स्पिनर की जरूरत है जो शेन वॉर्न ने आखिरी दिन जो किया, वह कर सके। और मैं अपने प्रथम श्रेणी करियर में 10 मैच खेल चुका हूं। मैं कभी भी वह नहीं कर पाऊंगा जो वॉर्न ने किया। वॉर्न एक पीढ़ी में एक बार ही आते हैं, मेरी राय में वे खेल खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ी हैं। लियोन ने आगे कहा, मैं अभी भी शेन वॉर्न की छाया महसूस करता हूं और मैंने 129 टेस्ट मैच खेले हैं और 530 विकेट लिए हैं। बात यह है कि मैं इससे खुश हूं और अब मैं इससे सहज हूं। हममें से बहुतों ने शेन वॉर्न की छाया का दबाव महसूस किया... और शायद मुझे यह समझने में पांच, छह, सात साल लग गए कि दबाव एक विशेषाधिकार है। स्पिनर ने कहा, अगर आप पर दबाव है, तो आप ठीक हैं, इसका आनंद लें। लियोन भारत के खिलाफ बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में एक्शन में होंगे, जो 22 नवंबर से पर्थ में खेली जाएगी।

वाइट-बॉल क्रिकेट खेलने पर विचार कर रहा हूं: जेम्स एंडरसन

लंदन, एजेंसी। जेम्स एंडरसन ने 10 से 12 जुलाई 2024 को करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला। उन्होंने कुल 4 विकेट लिए। उनके नाम 704 टेस्ट विकेट हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अमेरिका की मेजर प्रीमियर लीग-2024 में खेल सकते हैं। एंडरसन के वापसी के बयान के बाद अमेरिकी लीग की एक फ्रेंचाइजी उन्हें अपने साथ जोड़ने में रुचि रखती है। इतना ही नहीं, फ्रेंचाइजी उनसे संपर्क करने का प्रयास कर रही है और जानना चाहती है कि वे मेजर प्रीमियर लीग खेलना चाहते हैं या नहीं।

42 साल के इस तेज गेंदबाज ने पिछले हफ्ते कहा था

टेस्ट में इंग्लैंड के टॉप विकेट टेकर एंडरसन ने 4 महीने पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में संन्यास ले लिया था। उनके नाम 704 टेस्ट विकेट हैं। एंडरसन इंग्लैंड के बॉलिंग मेंटर बन गए हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि वे अक्टूबर में पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाजी मेंटर बने रहेंगे।

सुनील गावस्कर ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर टीम इंडिया को चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर चेताया है। 19 सितंबर से शुरू हो रही बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी के आयोजन को सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्डका स्मार्ट मूव बताया है। अगले साढ़े 4 महीने में भारतीय टीम 10 टेस्ट खेलेगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को लेकर गावस्कर ने कहा है कि भारत को कम से कम 5 मैच जीतने होंगे और यह आसान नहीं होगा।

सुनील गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा है कि भारतीय टीम गेंदबाजों को दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए था, क्योंकि सेकंड स्ट्रिंग गेंदबाजों के खिलाफ यह पता लगाना काफी मुश्किल है कि कौन कितना अच्छा बल्लेबाज है? चयनकर्ताओं को यह पता नहीं चलेगा कि कौन कितना बेहतर बल्लेबाज है। ध्यान रहे कि दलीप ट्रॉफी में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा नहीं खेले। सिराज और जडेजा को बाद में टीम से रिलीज किया गया। वहीं अश्विन और बुमराह को चुना नहीं गया था। मोहम्मद शमी चोटिल चल रहे हैं।

दलीप ट्रॉफी का आयोजन बेहतरीन कदम

सुनील गावस्कर ने लिखा, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले दलीप ट्रॉफी का आयोजन बीसीसीआई द्वारा उठाया गया सबसे बढ़िया कदम है। बेहतरीन

खिलाड़ियों के लिए भी इंटरनेशनल कंपटीशन में बगैर तैयारी के जाना कभी भी आसान नहीं होता, फिर चाहे विरोधी टीम कैसी भी हो। पाकिस्तान में खेले गए दोनों टेस्ट मैचों में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश की टीम ने दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं। कुछ साल पहले भी जब भारत ने बांग्लादेश का दौरा किया था, तो बांग्लादेशियों ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी।

बांग्लादेश को हल्के में नहीं ले सकते

सुनील गावस्कर ने लिखा, अब पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद वे भारत से भी भिड़ने के लिए तैयार हैं।

उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और कुछ नए होनहार खिलाड़ी हैं, जो अब विरोधी टीम से पहले जैसा खौफ नहीं खाते,जैसा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शुरुआती दौर में दिखता था। अब उनके खिलाफ खेलने वाली हर टीम जानती है कि वे चीजों के हल्के में नहीं ले सकतीं , नहीं तो पाकिस्तान जैसी हालत हो सकती है। यह निश्चित रूप से एक ऐसी सीरीज होगी जिसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

10 में से 5 टेस्ट जीतना जरूरी

सुनील गावस्कर ने कहा, भारत को अगले साढ़े चार महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं और उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए कम से कम पांच मैच जीतने होंगे। इनमें से कोई भी टेस्ट आसान नहीं होगा और इसलिए हमें रोमांचक क्रिकेट देखने को मिल सकता है। दलीप ट्रॉफी एक ऐसा टूर्नामेंट था, जो चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों के बारे में बहुत सारी जानकारी देता था और खिलाड़ियों को भी पता था कि अगर वे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भारत के लिए चुने जाने की उनकी संभावना बढ़ जाएगी।

जोनल टीमों के बीच मैच भी बहुत कठिन होते थे

सुनील गावस्कर ने कहा, उन दिनों, भारतीय क्रिकेट जोन पर आधारित था और इसलिए पांच टीमें जोनल टीमें थीं और प्रत्येक जोन में अलग-अलग राज्य टीमों के बीच स्वाभाविक प्रतिद्वंद्विता के साथ, जोनल टीमों के बीच मैच भी बहुत कठिन होते थे और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलते थे। इससे चयनकर्ताओं को प्रतिभा के बारे में अच्छा अंदाजा मिलता था।

अब, रणजी ट्रॉफी में एलीट और प्लेट टीमें शामिल हैं, इसलिए दलीप टीमें जोन में प्रदर्शन के आधार पर नहीं हैं। चयनकर्ताओं ने टीमें चुनी हैं और उन्हें इंडिया ए, बी, सी, डी नाम दिया है और हर टीम में खिलाड़ी अलग-अलग टीमों से हैं, किसी खास जोन से नहीं।

भारतीय टीम के गेंदबाजों के नहीं खेलने से नुकसान

सुनील गावस्कर ने कहा, ÷इस बार भारत के सभी गेंदबाजों को आराम दिए जाने से यह देखना आसान नहीं होगा कि कौन सा बल्लेबाज अच्छा है क्योंकि वे मूल रूप से दूसरे दर्जे के गेंदबाजों के खिलाफ खेले। इसलिए, जबकि मैच आने वाले सीजन के लिए अच्छे होंगे, चयनकर्ताओं को यह पता नहीं चल पाएगा कि बल्लेबाज वास्तव में कैसे है।

अश्विन ने चुना सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर, रोहित-कोहली को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर का नाम लेते समय स्टार बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को नजरअंदाज किया और तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को यह सम्मान दिया। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से ही बुमराह गेंद से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

वह 2023 के वनडे विश्व कप में 20 विकेट लेकर चौथे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और फरवरी 2024 में टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर एक रैंक पर भी पहुंचे। बुमराह ने हाल ही में टी20 विश्व कप 2024 में भारत के विजयी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें उन्होंने 4.17 की रिकॉर्ड-तोड़ इकॉनमी रेट के साथ 8 मैचों में 15 विकेट लिए थे। उनके प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया।

अश्विन ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, हम चेन्नई के लोग गेंदबाजों की बहुत सराहना करते हैं। वह 4-5 दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आए थे।

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल

मो. रयान की पहली आईआरएल जीत

चेन्नई, एजेंसी। रविवार को मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) में हुए इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के तीसरे दौर में चेन्नई टर्बो राइडर्स के लिए एक रोमांचक दिन था। मोहम्मद रयान ने पोल से शुरू करके इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) में अपनी पहली जीत दर्ज की। 22 साल के रयान की यह जीत उनके साथी जॉन लैंकेस्टर की शनिवार को रेस-1 में हुई जीत के बाद आई।

2019 के रोटैक्स कार्टिंग चैंपियन रेयान ने अपने घरेलू ट्रैक पर तेज शुरुआत की और लगातार बेहतरीन लैप्स पूरे करके आईआरएल में अपनी पहली जीत दर्ज की, जिससे उनकी टीम चेन्नई टर्बो राइडर्स में जश्न का माहौल बन गया। जीत के बाद खुश रयान ने कहा, ÷मेरी शुरुआत अच्छी रही और मैंने लगातार फोकस बनाए रखा। मुझे खुशी है कि मेरी टीम चेन्नई टर्बो राइडर्स ने इस वीकेंड दोनों आईआरएल रेस जीती और बड़े पॉइंट्स हासिल किए।÷

फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप में तीन रेसों में तीन अलग-अलग विजेता बने। रुहान अल्वा (श्राची रारह बंगाल टाइगर्स), वीर शेठ (अहमदाबाद एपेक्स रेसर्स) और दक्षिण अफ्रीका के अकील अलीभाई (ब्लैक बर्ड्स हैदराबाद) ने जीत दर्ज की। दिन की पहली रेस में रुहान अल्वा ने पहले ही लैप में बढ़त बना ली और उन्हें रोकना मुश्किल हो गया। 15 मिनट के बाद सेफ्टी कार आई जिससे रेस धीमी पड़ गई। रेस के फिर से शुरू होने पर, अल्वा ने जीत हासिल की और रेस का सबसे तेज लैप भी उनके नाम रहा।

अगली रेस में जेडन परियत ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी, हालांकि अलीभाई से टक्कर के बाद उनका स्थान खिसक गया। परियत को बाद में ÷टक्कर से बचने में नाकाम रहने÷ के लिए 20 सेकंड की पेनल्टी दी गई, जिससे वह आठवें स्थान पर आ गए। इसके बाद वीर शेठ, रुहान अल्वा और अभय मोहन (बेंगलुरु स्पीडस्टर्स) ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

विनेश फोगाट के बाद साक्षी मलिक ने भी शुरू की नई पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटने के बाद राजनीतिक पारी की शुरुआत कर चुकी हैं। जंतर-मंतर पर धरने पर उनके साथ बैठने वाली ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक ने भी अब नई पारी शुरू कर दी है। हालांकि वह राजनीति में नहीं बल्कि खेल की दुनिया में ही काम करने वाली हैं।

साक्षी मलिक ने कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट गीता फोगाट और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सेहरावत के साथ मिलकर रेसलिंग लीग का ऐलान किया है। साक्षी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस लीग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'प्रिय देशवासियों, हमारे गांव और समुदायों ने हमें पाला-पोसा, लेकिन पूरे राष्ट्र ने हमें चैंपियन बनाने में एकजुट होकर मदद की। तिरंगे के लिए लड़ने से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता है, और आपके प्यार और प्रेरणा से यह संभव हो सका। हम आपके प्रति आभारी हैं और अपने सार्वजनिक एवं निजी सहयोगियों के भी योगदान के लिए धन्यवाद करते हैं।

हम विशेष रूप से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आभारी हैं।'

साक्षी ने बताया कि यह एक विश्व स्तर की लीग होगी। साक्षी ने लिखा, 'आपके विश्वास का एकमात्र उत्तर यही है कि हम अपनी खेल प्रतिभा, अनुभव, दृढ़ता और सफलता को खेल की सेवा में समर्पित करें। हम तीनों ने इसलिए कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग का गठन किया है। एक विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय लीग है, जो हमारे पहलवानों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर वैश्विक खेल में अपनी पहचान बनाने के लिए कौशल और ताकत प्रदान करेगी। यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वातावरण में सर्वश्रेष्ठ समर्थन प्रणालियों के साथ किया जाएगा। हमें खुशी है कि अमन हमारे विज़न को शेयर करते हैं और इस यात्रा में हमारे साथ जुड़े हैं।'

साक्षी ने पोस्ट में अमन सेहरावत का बयान भी शामिल किया। साक्षी ने अमन के हवाले से लिखा, 'यह लीग एक बहुत प्रशंसनीय पहल है जो भारतीय कुश्ती के लिए बहुत फायदेमंद होगी, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनना चाहता हूं और पूरी तरह से इसका समर्थन करता हूँ।' हम भारतीय कुश्ती के इस चमकते सितारे के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।'

हैरी ब्रुक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में होंगे इंग्लैंड के कप्तान, लिविंगस्टोन की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैरी ब्रुक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान जोस बटलर अपने दाहिने पैर की पिंडली की चोट से उबर नहीं पाए हैं। जोस बटलर को यह चोट द हंड्रेड टूर्नामेंट की तैयारी के दौरान लगी थी, जिससे वह न केवल इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए, बल्कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाए। उनकी जगह फिल साल्ट ने बतौर विकेटकीपर और कप्तान टीम की कमान संभाली है। पहले बटलर को इंग्लैंड की वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनकी रिकवरी उम्मीद से धीमी रही, जिसके कारण अब उन्हें सीरीज से बाहर कर दिया गया है।

बटलर ने आखिरी बार इंग्लैंड के लिए टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ खेला था, जिसे इंग्लैंड 27 जून को गुयाना में हार गया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज हैरी ब्रुक के लिए इंग्लैंड की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी करने का पहला मौका होगा। 25 वर्षीय ब्रुक ने अब तक 15 वनडे खेले हैं और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह उपकप्तान रह चुके हैं। तब ओली पोप ने चोटिल बेन स्टोक्स की जगह कप्तानी की थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह भी बताया कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हल भी पिंडली की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं।

उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू किया था। हल को अक्टूबर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है।

फॉर्मूला-2 रेस में भारत के रेसर कुश मैनी हुए दुर्घटना का शिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसर कुश मैनी की कार रविवार को फॉर्मूला-2 रेस के दौरान बड़ी दुर्घटना से बच गए। 23 साल के खिलाड़ी की कार का इंजन अचानक बंद हो गया था।

ऐसे में साथी रेसर जोसफ मारिया मारती और ओलिवर गोएथे के साथ भिड़ंत की आशंका पैदा हो गई। मैनी का कार का पिछला हिस्सा इस टक्कर में क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि वह कार से सुरक्षित निकल आए।

मैनी के पिता ने बताया कि उनका बेटा ठीक है और उन्हें चोट नहीं आई। प्रोटोकॉल के तहत उनके चिकित्सकीय परीक्षण कराए गए हैं और उनकी सभी रिपोर्ट सामान्य आई हैं।

इनविक्टा रेसिंग की ओर से फॉर्मूला-2 रेस में अपने दूसरे सीजन में भाग ले रहे मैनी 11वें स्थान पर रहे। रेस ट्राइडेंट के रिचर्ड वरशूर ने जीती।

दुबई कॉन्सर्ट में 21 सितंबर को परफॉर्म करेंगे मोहित चौहान

प्ले बैक सिंगर मोहित चौहान, डूबा डूबा, नादान परिंदे, तुम से ही और अन्य जैसे प्रतिष्ठित ट्रैक के लिए जाने जाते हैं। वे अब दुबई में द एजेंडा इन मीडिया सिटी में परफार्मेंस के लिए तैयार हैं। वह 21 सितंबर को रोड टू हेडलाइंस फेस्टिवल के एक भाग के रूप में मंच संभालेंगे। वह अपनी प्रभावशाली उपस्थिति और अनूठी आवाज के साथ अपने कुछ सबसे प्रतिष्ठित बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इनमें पी लूं, कुन फया कुन, मटरगश्ती, मसकली, तुम से ही और कई अन्य धुनें शामिल हैं।
कार्यक्रम के लिए उत्साहित मोहित चौहान ने कहा, इतने लंबे समय के बाद दुबई में फिर से प्रदर्शन करना रोमांचकारी है। मैं वास्तव में दुबई के दर्शकों की जीवंतता का आनंद लेता हूं, और उनका गर्मजोशी भरा स्वागत हमेशा मेरे प्रदर्शन को और भी खास बना देता है। उन्होंने कहा, मैं दुबई में अपने प्रशंसकों से इतना प्यार और सराहना पाने के लिए भाग्यशाली रहा हूं और मैं इसके लिए उनका आभारी हूं। मैं मौज-मस्ती से भरी एक रात लाने का वादा करता हूं, इसमें हम एक साथ संगीतमय यात्रा का आनंद लेते हुए अद्भुत यादें बनाएंगे।
बूंदें गायक विश्व भर में काफी चर्चा में रहे। उनका एआर रहमान, इम्तियाज अली और अन्य श्रेष्ठ कलाकारों जैसे उद्योग के दिग्गजों के साथ सहयोग का एक उल्लेखनीय इतिहास रहा है। वह अपने दमदार परफॉर्मेंस देने के लिए जाने जाते हैं। कॉन्सर्ट के टिकट प्लैटिनमलिस्ट.नेट पर उपलब्ध हैं। प्रदर्शन का आयोजन वीटीआर हॉस्पिटैलिटी एंड इवेंट्स द्वारा किया गया है और शोऑफ़ एंटरटेनमेंट का सहयोग है। इस बीच, गायक को हाल ही में दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा-स्टारर स्ट्रीमिंग बायोपिक अमर सिंह चमकीला में एक कैमियो परफॉर्मेंस में भी देखा गया था। ऑस्कर और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान और प्रीतम के साथ उनका सहयोग बहुत हिट रहा है। वह इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म रॉकस्टार में रणबीर कपूर के किरदार जॉर्डन की आवाज थे।

रोमांस-हॉरर-थ्रिलर फिल्मों से तहलका मचाएंगी तृप्ति, भूल भुलैया 3-धड़क 2 में होगा जबर्दस्त रोल

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याती मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। इन सभी फिल्मों में तृप्ति अलग-अलग किरदार में नजर आएंगी।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

सबसे पहले बात करते हैं तृप्ति डिमरी की आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की। बीते दिन इस फिल्म का अतरंगी ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसमें राजकुमार राव के साथ तृप्ति डिमरी की जोड़ी ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। वहीं फिल्म में मल्लिका शेरावत की एंट्री भी लोगों को बेहद सरप्राइजिंग लगी। यह फिल्म 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों मे रिलीज के

भूल भुलैया 3

अब बात करते हैं तृप्ति की हॉरर-कॉमेडी से भरपूर आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 की। इस फिल्म में तृप्ति अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का लगाती नजर आएंगी। इस फिल्म में कार्तिक और तृप्ति के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के अलावा भी कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल के आखिर में रिलीज होगी।

धड़क 2

धड़क 2 में तृप्ति अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी संग नजर आएंगी। इसकी आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म की घोषणा निर्देशक करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर इस साल 27 मई को की थी। इस फिल्म की घोषणा के साथ करण ने लिखा था, यह कहानी है थोड़ी अलग क्यूंकि एक था राजा, एक थी रानी - जात अलग थी...खत्म कहानी। एनिमल फिल्म से भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति डिमरी अब एक बार फिर से फिल्म एनिमल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनिमल 2 में एक बार फिर से तृप्ति भाभी 2 बनकर लौटेंगी। हालांकि, फिल्म की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इतना जरूर है कि एनिमल फिल्म के आखिर को देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि एनिमल 2 जरूर आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परियेरम पेरूमल की हिंदी रीमेक में तृप्ति नजर आ सकती है। इस फिल्म की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इस फिल्म में भी तृप्ति के होने की पूरी उम्मीद है।

अक्षरा संग ब्रेकअप पर खुल कर बोले तनुज विरवानी

तनुज विरवानी बॉलीवुड इंडस्ट्री के सक्रिय अभिनेता और मॉडल हैं। उन्हें साल 2017 में रिलीज हुई वेब सीरीज इनसाइड एज में वायु राघवन की भूमिका के लिए जाना जाता है।इसके अलावा वह ऑल्ट बालाजी के कोड एम में जेनिफर विंगेट के साथ भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने इससे पहले सनी लियोन के साथ रोमांचक थ्रिलर वन नाइट स्टैंड में भी काम किया था। अभिनय के अलावा वह अभिनेत्री अक्षरा हासन के साथ अपने प्रेम संबंधों को लेकर भी चर्चा में रहे थे। हालांकि, बाद में दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली थीं। हाल में ही अभिनेता ने अक्षरा के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की है।

अक्षरा हासन के साथ रहा था चार साल लंबा प्रेम संबंध

अक्षरा हासन साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन की बेटी हैं। तनुज विरवानी और अक्षरा हासन लगभग चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, बाद में उनका यह रिश्ता टूट गया और आखिरकार दोनों अलग हो गए। अक्षरा की कुछ निजी तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई थीं, जिसके बाद उनका ब्रेकअप हो गया। इस वजह से दोनों काफी समय से एक दूसरे से किसी तरह के संपर्क में नहीं हैं। हाल में ही तनुज ने इस पर खुलकर बात की है। वह सिद्धार्थ कनन के साथ इंटरव्यू में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा,कभी-कभी जब आप अपने साथी के लिए सम्मान खो देते हैं, और जब आपको चाहिए, तो आप उनके लिए स्टैंड नहीं लेते हैं, तो मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अभिनेता ने इस इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह अपने सभी पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्ती वाला बॉन्ड साझा करते हैं। इस दौरान उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह सिर्फ अक्षरा के अलावा सभी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी कई पूर्व प्रेमिकाओं के साथ दोस्त बना हुआ हूं और दोस्ती से बढ़कर, हम सभी एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान रखते हैं। अभिनेता ने अक्षरा से संपर्क टूटने की वजह बताते हुए कहा कि जब उनके लिए कोई स्टैंड ना ले, तो वह माफ कर सकते हैं, लेकिन भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में दोनों को दोस्ती रखने की भी जरुरत नहीं है, दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में खुश हैं।

अभिनय की दुनिया में वापसी करने के लिए तैयार इमरान खान

अभिनेता इमरान खान ने लंबे समय अभिनय की दुनिया से दूरी बना रखी है। हालांकि, वे कई बार प्रशंसकों से बातचीत कर चुके हैं। कई इवेंट्स और साक्षात्कार के बाद प्रशंसकों ने अभिनेता ने फिर से अभिनय करियर की शुरुआत करने की गुजारिश की। आखिरकार अब ऐसा लगता है कि इमरान अब दोबारा अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने एक स्क्रिप्ट पर फैसला ले लिया है। खबर है कि अभिनेता आखिरकार नौ साल के अंतराल के अब बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, अभिनेता अगस्त 2023 से इस बारे में संकेत दे रहे हैं। वहीं अब इमरान ने ब्रेक के बाद फिर अभिनय करने का फैसला कर लिया है।

दानिश असलम करेंगे फिल्म का निर्देशन

रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अपने चाचा आमिर खान के बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत बने एक फिल्म से बॉलीवुड में वापसी करेंगे। आमिर खान की फिल्म से इमरान खान की स्क्रीन पर वापसी होगी। दानिश असलम नेटफ्लिक्स के लिए एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी का निर्देशन करेंगे। चर्चा है कि इमरान इस फिल्म में अलग अंदाज में नजर आएंगे।

युविका ने अपने पति प्रिंस के करियर के लिए छोड़ दिया अपना काम

अभिनेत्री युविका चौधरी जल्द ही मां बनने वाली हैं। उनकी उम्र 41 साल है पिछले दिनों उनके पति प्रिंस नरुला ने बताया था कि युविका जल्द एक व्लॉग के जरिए आईवीएफ ट्रीटमेंट पर बात करेंगी। बता दें कि युविका आईवीएफ से ही मां बनने जा रही हैं। अपने व्लॉग में युविका ने आईवीएफ चुनने का कारण साझा करते हुए बताया कि शादी के वक्त उनके पति का करियर पीक पर था इसलिए उन्हें आगे बढ़ने में मदद करने के लिए उन्होंने काम बंद करने का फैसला ले लिया आगे चलकर बच्चे पैदा करने में कोई परेशानी ना हो, इसके लिए उन्होंने अपने एग्स फीज करा लिए थे, उन्होंने कहा कि ये बिल्कुल भी आसान नहीं रहा था। युविका ने बताया कि वो अपने पति को करियर में अच्छा करते हुए देखकर काफी खुश हैं, मालूम हो कि दोनों ने 2018 में शादी की थी।

कमिटमेंट को लेकर सुष्मिता सेन का क्रिप्टिक पोस्ट

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन अक्सर किसी न किसी बात को लेकर चर्चा में रहती हैं। वे मुंबई में कई जगहों पर स्पॉट भी होती रहती हैं। इस दौरान पैपराजी से बातचीत में वह कहती हैं मुस्कुरा नहीं सकती। उनकी आवाज भी लड़खड़ा रही है। संभवत दांत दर्द के बाद उन्हें लोकल एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी। अब अभिनेत्री ने एक क्रिप्टिक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने कमिटमेंट को लेकर बात की है। सुष्मिता सेन ने अपनी पोस्ट में लिखा है,हमारी दिलचस्पी और प्रतिबद्धता के बीच बहुत अंतर होता है। जब आप किसी चीज में दिलचस्पी रखते हैं, हम अपनी सुविधा के हिसाब से काम करते हैं। वहीं, जब हम किसी चीज को लेकर प्रतिबद्ध यानी उसके प्रति कमिटिड होते हैं तो हम कोई बहाने नहीं कर सकते हैं। हमें सिर्फ परिणाम दिखता है। दरअसल, पोस्ट में सुष्मिता ने केनेथ एच. ब्लांचर्ड का कोट साझा किया है।

सपने को लेकर कही ऐसी बात

इस पोस्ट को शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने लिखा है, सपने दिलचस्प होते हैं, उन्हें साकार करने के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है!!! तो सवाल यह है कि क्या हम जीवन में केवल दिलचस्पी रखते हैं या इसके लिए प्रतिबद्ध हैं? लव यू

फैंस ने किया ऐसा कमेंट

एक फैन ने सुष्मिता के पोस्ट पर कमेंट किया कि बहुत बढ़िया और प्रेरणादायक बात कही है! शुक्रिया सुष्मिता। एक अन्य यूजर ने लिखा, माफ करें, लेकिन कभी-कभी हम चाहे कितने भी नतीजे दिखाना चाहें, कुछ ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं जो हमें ऐसा करने की अनुमति नहीं देती...। इसके अलावा एक यूजर ने सुष्मिता की पोस्ट को नकारते हुए लिखा पूरी तरह से सहमत नहीं हो सकता। असली मजबूत प्रतिबद्धता सिर्फ मूल दिलचस्पी से ही आती है।

सिद्धार्थ-कियारा की शादी के सीन को रिक्रिएट करने पर बोले विहान समत

अभिनेता विहान समत हाल ही में अपने कुछ किरदारों को लेकर चर्चा में रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अनन्या पांडे के साथ कॉल मी बे सीरीज में अगस्त्य चौधरी का रोल निभाया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के ओरिजनल सीन को रिक्रिएट किया गया है। फिल्म का ये सीन सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस सीन को लेकर अब विहान समत ने भी बात की है।

शादी के सीन को रिक्रिएट करने की थी इच्छा

विहान ने कहा कि निर्देशक कॉलिन डी कुन्हा ने सीरीज के शूट के दौरान उनसे बात की और कहा कि वो इस सीन को रिक्रिएट करना चाहते हैं। उन्होंने मुझसे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी का ओरिजिनल सीन को फिल्माने और सीरीज में शामिल करने की इच्छा जाहिर की थी। विहान ने कहा, मुझे लगता है वो पूरा सेटअप वैसा ही था, जैसा कि ऑरिजनल था।

अपने फोन पर दिखाया था सीन

इंटरव्यू के दौरान विहान ने कहा कि हम जिस दिन सिड और कियारा की शादी का सीन रिक्रिएट कर रहे थे उस दिन निर्देशक मेरे पास आए और उनकी शादी के सीन को अपने फोन पर मुझे दिखाया और बोले ये करो और मैं कहा ठीक है। अनन्या के साथ काम करना है आसान विहान समत ने कहा, मैंने अनन्या के साथ सीटीआरएल की शूटिंग की थी और फिर हम कॉल मी बे में भी साथ में जुड़े, लेकिन कॉल मी बे बिल्कुल अलग गेम था। इसलिए, हमें रीसेट करना पड़ा। अनन्या पेशेवर कलाकार हैं और उनके साथ काम करना काफी आसान है।

सीटीआरएल में नजर आएंगे विहान समत

विहान समत जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर सीटीआरएल में नजर आने वाले हैं। निर्देशक को लेकर विहान समत ने कहा, एक बार जब वह आपको चुन लेते हैं, तो वह आप पर पूरा भरोसा जताते हैं। वह आपको नोट्स देते हैं, लेकिन वह आपको अपने हिसाब से चलने पर भी बंदिशे नहीं लगाते। वह आपको बहुत ज्यादा तकनीकी नोट्स से परेशान नहीं करते। इसके साथ ही वह कम बोलने वाले व्यक्ति भी है, इसलिए शुरू में मैं उन्हें सुनने के लिए कान खड़ा रखता था, लेकिन वह आपको काफी सहज कर देते हैं।

अब छोटे परदे पर लौटने की नहीं है कोई इच्छा

अभिनेता राम कपूर जल्द ही युद्धा फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें गजराज राव, मालविका मोहनन, राघव जुयाल और राज अर्जुन ने भी अभिनय किया है। राम कपूर की बात करें तो उन्होंने टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं से दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाई है। वो टीवी से ब्रेक ले चुके हैं और एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने टीवी पर वापसी को लेकर अपनी बात साझा की है। राम कपूर का कहना है कि वो फिलहाल टीवी पर वापसी करना नहीं चाहते और उनकी ऐसी कोई इच्छा भी नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर आप छोटे परदे पर बढ़िया काम करना चाहते हैं और उसके लिए एक सफल शो चाहते हैं तो फिर तीन-चार साल तक एक ही रोल को करना पड़ता है इसलिए टीवी की दुनिया में लौटना मुश्किल है। राम ने कहा कि उन्हें फिल्म और ओटीटी पर अच्छे अभिनेता के तौर पर स्वीकार्यता मिल गई है।